सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 67, नई दिल्ली । रविवार, 19 मई 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा ।

03 स्वाति मालीवाल के साथ हुई अभद्रता पर जताया खेद

06 केंद्र को सुप्रीम कोर्ट से लगा जोर का झटका

08 देश का बिकाश केलिए सता बदलना जरूरी : सचिन पाइलट

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा : तेजी से विकसित हो रहे भारत में सड़क सुरक्षा का महत्वपूर्ण महत्व

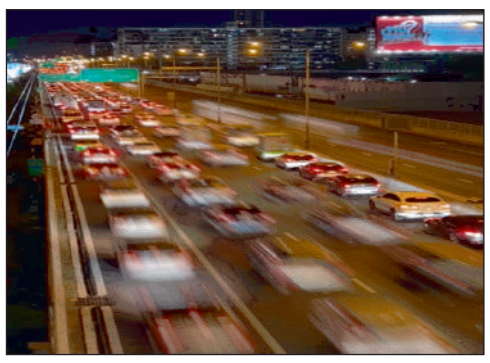
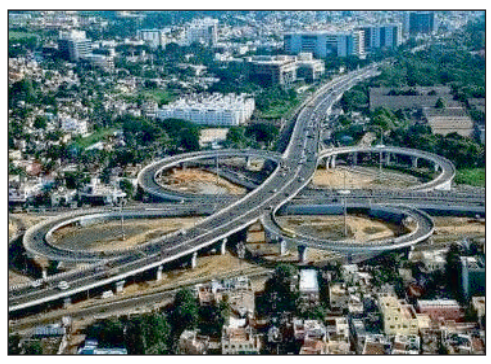

परिवहन विशेष

जैसे-जैसे भारत उल्लेखनीय बुनियादी ढांचे के विकास के साथ आगे बढ़ रहा है, जिस गति से नई सड़कों और राजमार्गों का निर्माण किया जा रहा है वह आश्चर्यजनक है। यह तीव्र प्रगति, जहां देश की प्रगति का प्रमाण है, वहीं सड़क सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दे को भी सामने लाती है। यातायात नियमों के बारे में सामान्य जागरूकता के बावजूद, इन नियमों के प्रति लापरवाही बरतने के व्यापक रवैये के घातक परिणाम हो सकते हैं और अक्सर होते भी हैं। सड़क सुरक्षा को समझना और प्राथमिकता देना न केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी का मामला है, बल्कि हमारे तेजी से आगे बढ़ते भारत में एक सामाजिक अनिवार्यता भी है।

भारत में सड़क सुरक्षा की वर्तमान स्थिति

भारत में सड़क दुर्घटनाओं की दर दुनिया में सबसे अधिक है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं के कारण हर साल लगभग 150,000 लोग मर जाते हैं। यह चौंका देने वाला आंकड़ा एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट को रेखांकित करता है, जो वाहनों की बढ़ती संख्या, तेजी से शहरीकरण और कभी-कभी अपर्याप्त सड़क सुरक्षा उपायों के कारण और भी गंभीर हो गया है।

सड़क दुर्घटनाओं में योगदान देने वाले कारक

मानवीय त्रुटि: अधिकांश सड़क दुर्घटनाएँ मानवीय भूल के कारण होती हैं। तेज गति से गाड़ी चलाना, लापरवाही से गाड़ी चलाना, नशे में गाड़ी चलाना और ध्यान भटकाकर गाड़ी चलाना प्रमुख कारण हैं। खतरों को जानने के बावजूद, कई ड्राइवर जोखिम भरे व्यवहार में लगे रहते हैं।

बुनियादी ढांचे के मुद्दे: जबकि सड़क निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है, कभी-कभी सड़कों की गुणवत्ता, उचित संकेतों की कमी और अपर्याप्त रोशनी दुर्घटनाओं में योगदान कर सकती है। सड़क निर्माण की गति और व्यापक सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन के बीच असमानता एक गंभीर चिंता का विषय है।

वाहन की स्थिति: खराब रखरखाव वाले वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना अधिक होती है। नियमित रखरखाव और कड़ी वाहन फिटनेस जांच आवश्यक है लेकिन अक्सर उपेक्षित कर दी जाती है।

पैदल यात्री सुरक्षा: पैदल यात्री सड़क उपयोगकर्ताओं में सबसे असुरक्षित हैं। फुटपाथ, पैदल यात्री क्रॉसिंग और सड़क सुरक्षा के बारे में पैदल चलने वालों के बीच जागरूकता की कमी स्थिति को और जटिल बनाती है।

सड़क सुरक्षा का महत्व

जीवन बचाना: सड़क सुरक्षा का प्राथमिक महत्व जीवन बचाने की क्षमता में निहित है। प्रत्येक सड़क दुर्घटना टालने से जिंदगियाँ बच जाती हैं, चोटें रोकी जाती हैं, और परिवार अपने प्रियजनों को खोने के सदमे से बच जाते हैं।

आर्थिक प्रभाव: सड़क दुर्घटनाएँ एक महत्वपूर्ण आर्थिक बोझ डालती हैं। चिकित्सा उपचार, उत्पादकता में कमी, और बुनियादी ढांचे और वाहनों को नुकसान से जुड़ी लागत सालाना अरबों रुपये तक हो सकती है। इस प्रकार सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने से पर्याप्त आर्थिक लाभ हो सकते हैं।

सामाजिक जिम्मेदारी: सड़क सुरक्षा मानदंडों का पालन करना एक जिम्मेदार नागरिक की पहचान है। यह कानून के प्रति सम्मान और दूसरों की सुरक्षा और भलाई के प्रति विचार को दर्शाता है।

स्वास्थ्य देखभाल के बोझ को कम करना: दुर्घटनाओं को कम करके, स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली को दुर्घटना पीड़ितों के इलाज के भारी बोझ से मुक्त किया जा सकता है। यह अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में चिकित्सा संसाधनों के बेहतर आवंटन की अनुमति देता है।

भारत में सड़क सुरक्षा बढ़ाना

शिक्षा और जागरूकता: सतत सड़क सुरक्षा शिक्षा महत्वपूर्ण है। इसमें स्कूली पाठ्यक्रमों में सड़क सुरक्षा पाठों को एकीकृत करना, जन जागरूकता अभियान और सुरक्षा संदेशों को फैलाने के लिए मीडिया का उपयोग करना शामिल है।

यातायात कानूनों का सख्त प्रवर्तन: यातायात कानूनों का लगातार और सख्त कार्यान्वयन महत्वपूर्ण है। लापरवाह व्यवहार को रोकने के लिए उल्लंघनों के लिए दंड पर्याप्त होना चाहिए।

बेहतर बुनियादी ढाँचा: नई सड़कों का निर्माण करते समय, उचित साइनेज, पैदल यात्री पथ, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और नियमित रखरखाव जैसी सुरक्षा सुविधाओं पर समान जोर दिया जाना चाहिए।

तकनीकी एकीकरण: यातायात प्रबंधन प्रणाली, स्पीड कैमरे और वाहन सुरक्षा सुविधाओं जैसी प्रौद्योगिकी का उपयोग, सड़क सुरक्षा को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकता है।

सार्वजनिक भागीदारी: सड़क सुरक्षा पहल में सार्वजनिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने से अधिक सक्रिय और जिम्मेदार समाज का निर्माण हो सकता है। समुदाय-आधारित कार्यक्रम और गैर सरकारी संगठनों के साथ साझेदारी प्रयासों को बढ़ा सकती है।

वाहन सुरक्षा मानक: कड़े वाहन सुरक्षा मानकों को लागू करने और लागू करने और नियमित फिटनेस जांच से यांत्रिक विफलताओं के कारण होने वाली दुर्घटनाओं को कम किया जा सकता है।

भारत जैसे गतिशील और तेजी से आगे बढ़ने वाले देश में सड़क सुरक्षा के महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। हालाँकि आर्थिक विकास के लिए बुनियादी ढाँचागत विकास आवश्यक है, लेकिन इसके साथ मजबूत सड़क सुरक्षा उपाय भी होने चाहिए। सुरक्षित और अधिक समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए सड़क सुरक्षा का ज्ञान और अभ्यास विकास की गति के साथ चलना चाहिए। सड़क सुरक्षा की संस्कृति को अपनाकर, भारत जीवन की दुखद हानि को कम कर सकता है और सतत विकास के पथ पर आगे बढ़ सकता है।

डॉ अंकुर शरण
राष्ट्रीय मुख्य यातायात एवं नियोजन अधिकारी
सड़क सुरक्षा ओमनी फाउंडेशन
roadsafetysquad@gmail.com

नमो भारत ट्रेन के यात्रियों के लिए गुड न्यूज, अब सफर होगा आसान; 20 मई से बदल जाएगी टाइमिंग

परिवहन विशेष न्यूज

नमो भारत ट्रेन की सेवाएं साहिबाबाद से मोदीनगर उत्तर तक के आठ आरआरटीएस स्टेशनों वाले 34 किमी . सेक्शन में उपलब्ध हैं। दिल्ली–मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर की लंबाई 82 किलोमीटर है और कॉरिडोर के बाकी हिस्से में निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। पूरे कॉरिडोर पर जून 2025 तक नमो भारत ट्रेन चलाने का लक्ष्य है। समय के विस्तार का उद्देश्य यात्री सुविधा को बढ़ाना है।

गाजियाबाद। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर के संचालित सेक्शन में यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर नमो भारत ट्रेनों का परिचालन समय 20 मई 2024 से बढ़कर रात्रि 10 बजे तक हो जाएगा। नई समय-सारणी के मुताबिक नमो भारत ट्रेन सेवाएं सोमवार-शनिवार सुबह छह बजे से रात्रि 10 बजे तक और रविवार को सुबह आठ बजे से रात्रि 10 बजे तक उपलब्ध होंगी।

वर्तमान में नमो भारत ट्रेन की सेवाएं सोमवार से शनिवार सुबह छह बजे से रात आठ बजे तक और रविवार को सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक परिचालित की जा रही हैं। नमो भारत ट्रेनों के संचालन समय के विस्तार का उद्देश्य यात्री सुविधा को बढ़ाना है।

जून 2025 तक पूरे कॉरिडोर में नमो भारत ट्रेन चलाने का लक्ष्य

नमो भारत ट्रेन की सेवाएं साहिबाबाद से मोदीनगर उत्तर तक के आठ आरआरटीएस स्टेशनों वाले 34 किमी. सेक्शन में उपलब्ध हैं। दिल्ली-मेरठ आरआरटीएस कॉरिडोर की लंबाई 82 किलोमीटर है और कॉरिडोर के बाकी हिस्से में निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। पूरे कॉरिडोर पर जून 2025 तक नमो भारत ट्रेन चलाने का लक्ष्य है।

सभी दुपहिया वाहनों पर साईड शीशे ज़रूर ही लगाए :– चौकी इंचार्ज पाली राजेंदर सिंह

परिवहन विशेष न्यूज

जिला फ़रीदाबाद उपायुक्त विक्रम सिंह आईएएस के आदेशानुसार व प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण फरीदाबाद के डीटीओ मनीष सहगल के निर्देशनुसार एवं सरदार देवेंदर सिंह सदस्य स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार के मार्ग दर्शन में मोटर व्हीकल एक्ट 2019 जागरूकता अभियान एवं रिफ्लेक्टर अभियान स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार, फरीदाबाद ट्रैफ़िक पुलिस, गुरुग्राम फरीदाबाद टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड एवं रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.) की पूरी टीम ने एक साथ मिलकर 17 मई 2024 दिन शुक्रवार शाम 5 बजें पाली पुलिस चौकी फरीदाबाद पर मोटर व्हीकल एक्ट 2019 एवं ट्रैफिक के नियमो की जानकारी बारे में आम जनता को जानकारी दी गई यहाँ सड़क पर अपने अपने वाहन चला रहें सभी लोगों को सड़क सुरक्षा नियमो के बारे में बताया गया यह चौक फ़रीदाबाद से गुरुग्राम जाने का सबसे सावधानी एवं ट्रैफिक वाला सुबह शाम का सबसे ज्यादा व्यस्त चौक है क्यूँकि एक तरफ़ यहाँ पर क्रेशर ज़ोन से आते बड़े बड़े ट्रक, डम्पर रोजाना सड़क पर रात दिन हमेशा ही सड़क पर आते जाते रहते है इसलिए यहाँ सड़क पर चलते समय बिलकुल सावधानी से चलें रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.) से बिजेंद्र सैनी ने सभी वाहन चालकों को आज जानकारी दी कि सड़क पर हमेशा ही चलते समय सभी दुपहिया वाहन को चलाते समय दोनों सवारी को हेलमेट पहनना अनिवार्य है दुपहिया वाहन चालको को अपने अपने हेलमेट की सेफ़्टी बेल्ट लगाने के बारे में बड़ी जानकारी दी अक्सर जल्द बाज़ी में हम सभी वाहन चालक हेलमेट की बेल्ट नहीं लगाते और सड़क पर कोई झटका लगने से हेलमेट दूर सड़क पर गिर जाता है जिसका सुरक्षा का कोई फ़ायदा नहीं इसलिए हमेशा हेलमेट की बेल्ट ज़रूर लगाए, दुपहिया वाहन चालको को ISI मार्क हेलमेट ही पहनना अनिवार्य है सभी दुपहिया वाहन पर चालक अपने अपने वाहन में साईड शीशे लगाना अनिवार्य है वरना आपका चालान सड़क पर CCTV एवं ट्रैफिक पुलिस के माध्यम से कट सकता है और अपने अपने वाहन को सड़क पर चलाते समय हमेशा ही अपनी निर्धारित गति सीमा में ही चलाए सड़क पर सभी वाहन चालक अपनी अपनी गाड़ी चलाते समय सभी चालक अपनी अपनी लेन में ही हमेशा सड़क पर चले

पाली चौकी इंचार्ज राजेंदर सिंह एवं सरदार देवेंद्र सिंह सदस्य स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार ने गुरुग्राम फरीदाबाद टोल रोड टीम के साथ मिलकर जो जो वाहन चालक सड़क नियम में अपना अपना वाहन चला रहें थे उनको लाल गुलाब देकर सम्मान करा वाहन चालको को अपनी लेन में चलने की आख़िरी हिदायत दी गाड़ियो में काले शीशे या काली जाली लगाना अपराध है इसका जुर्माना 10,000 रुपए हैं फ़रीदाबाद के सभी वाहन सीसीटीवी व स्पीड इंटरसेप्टर गाड़ियो की निगरानी में चल रहें हैं अगर आप सड़क नियम तोड़ोगे तो आपका पोस्टल चालान घर पर आ सकता है इसलिए सड़क नियम ना तोड़े

शाह नवाज़ खान(रेवन्यू मैनेजर) ने सभी से कहा कि जुर्माने अब 10 गुना बढ़ चुके है किरपा प्रेशर होर्न सड़क पर बिलकुल न बजाये इसका जुर्माना 10000 हो गया है इसलिए हमेशा ट्रैफिक के नियमो की पालना सड़क पर अबश्य करे आप के साथ आपका परिवार भी जुड़ा हुआ है सड़क पर आपकी छोटी से गलती आपके परिवार को नुकसान दे सकती है

आज इस जागरूकता अभियान में फ़रीदाबाद ट्रैफ़िक पुलिस, गुरुग्राम फरीदाबाद टोल रोड प्राइवेट लिमिटेड एवं रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन (रजि.) की पूरी टीम पाली चौकी के इंचार्ज सब इंस्पेक्टर राजेंदर सिंह ,ASI अजित सिंह ट्रैफिक पुलिस सब इंस्पेक्टर कैलेश सिंह एवं होम गार्ड के जवान साथ में थे रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन से बिजेन्दर सैनी ,विकास खत्री ,रोबिन सिंह ,सोनू एवं गुरुग्राम फरीदाबाद टोल टैक्स प्राइवेट लिमिटेड से शाह नवाज़ खान(रेवन्यू मैनेजर) , नीतू धवन(टोल मैनेजर) , मोहित, सौनवीर (CRO), शाकिब अस्सिटेंट मैनेजर एवं सरदार देवेंदर सिंह सदस्य स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल हरियाणा सरकार एवं सदस्य मेंबर ऑफ़ पार्लीमेन्ट रोड सेफ्टी कमिटी भारत सरकार मौके पर मौजूद थे

हेलमेट पुलिस को देखकर नहीं अपने परिवार को देखकर पहने

पर्यावरण पाठशाला : स्वामी विवेकानन्द पार्क: सामुदायिक भावना और परिवर्तन का एक प्रतीक - अंकुर

परिवहन विशेष न्यूज

सामुदायिक भावना और दृढ़ संकल्प की शक्ति का एक प्रमाण है: स्वामी विवेकानन्द पार्क - सेंप्रिंगफील्ड, फ़रीदाबाद के मध्य में, श्री संजय भट्टाचार्य जी की देखरेख में विकसित यह हरा-भरा पार्क इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि कैसे सामूहिक प्रयास सबसे उपेक्षित स्थानों को भी शांति और प्रेरणा के सुंदर अभयारण्यों में बदल सकता है।

जब आप किसी चीज़ के प्रति जुनूनी होते हैं, तो लोग आपका विरोध करते हैं, लेकिन आपके लगातार प्रयास से मानसिकता बदल जाती है और इसका सामना संजय भट्टाचार्य जी ने किया। महेश पांचाल, दीपक शर्मा, शुक्ला जी, रोहित प्रधान आदि जैसे पर्यावरण प्रेमी लोगों ने हाथ मिलाया और अब यह पार्क फरीदाबाद के खूबसूरत सोसाइटी पार्कों में से एक है।

धीरे-धीरे चीजें बदल गईं और स्थानीय निवासी संग्रह में शामिल हो गए और स्थानीय आरडब्ल्यूए ने भी इसका समर्थन किया। कोविड के दौरान, व्यक्तिगत रूप से उन्होंने सक्रिय सदस्यों के साथ मिलकर पार्क में पानी डाला और इसे बचाया।

उपेक्षा से पालन-पोषण तक

कुछ ही वर्ष पहले, यह क्षेत्र जिसे अब स्वामी विवेकानन्द पार्क के नाम से जाना जाता है, अपनी वर्तमान स्थिति से कोसों दूर था। यह गायों और भैंसों के लिए चरागाह थी, गोबर से अटी पड़ी थी और घास-फूस से भरी हुई जगह थी। इस स्थान का परिवर्तन चमत्कार से कम नहीं है, जो स्थानीय निवासियों की दूरदर्शिता और कड़ी मेहनत से प्रेरित है जिन्होंने यथास्थिति को स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

हरित आश्रय स्थल का निर्माण

श्री संजय भट्टाचार्य जी के मार्गदर्शन में, निवासियों ने भूमि को पुनः प्राप्त करने और उसका कायाकल्प करने के लिए एक महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू की। उन्होंने विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ, झाड़ियाँ, देशी पेड़ और सजावटी पौधे लगाए, सावधानीपूर्वक उन प्रजातियों का चयन किया जो स्थानीय वातावरण में पनपेंगी और पार्क की जैव विविधता में योगदान देंगी। आज, पार्क हरियाली से भरपूर है, जिसका हर कोना रंग और खुशबू का एक नया आश्चर्य पेश करता है।

स्वामी विवेकानन्द से प्रेरणा

पार्क के आकर्षण के केंद्र में स्वामी विवेकानंद की एक शानदार प्रतिमा है, जिसे सावधानीपूर्वक देखभाल के साथ तैयार किया गया है और पार्क के केंद्र में स्थित है। प्रतिमा के चारों ओर उनके प्रेरक उद्धरणों से सजे रास्ते हैं, जिनमें से प्रत्येक आगंतुकों को ज्ञान और प्रोत्साहन प्रदान करता है। ये शब्द आंतरिक शक्ति, लचीलेपन और सामुदायिक सेवा की शक्ति की निरंतर याद दिलाते हैं।

सभी के लिए एक अभयारण्य

स्वामी विवेकानन्द पार्क अपने सभी आगंतुकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फिटनेस के प्रति उत्साही लोगों के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एक समर्पित व्यायाम क्षेत्र है, जो निवासियों के बीच एक स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देता है। पार्क में एक सुंदर छतरी और कई बेंच भी हैं, जो विश्राम और प्रतिबिंब के लिए शांत स्थान प्रदान करते हैं।

पार्क का हृदय: तुलसी जी और पक्षियों के घर

पार्क के भीतर एक विशेष क्षेत्र तुलसी जी को समर्पित है, जो अपने औषधीय और आध्यात्मिक महत्व के लिए कई भारतीय घरों में पूजनीय हैं। यह पवित्र स्थान पक्षी घरों से पूरित है, जो विभिन्न प्रकार की स्थानीय पक्षी प्रजातियों को आकर्षित करते हैं, जो पार्क के आकर्षण को बढ़ाते हैं और जैव विविधता को बढ़ावा देते हैं।

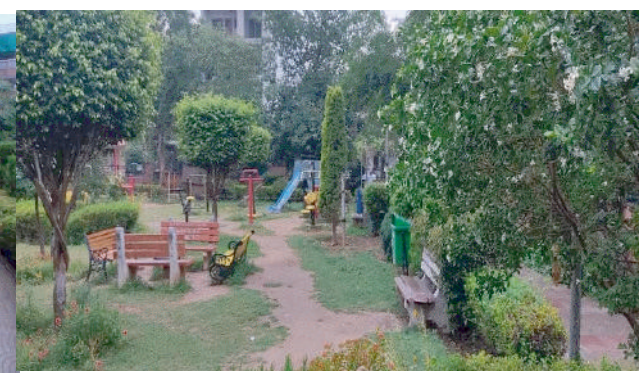

एक समुदाय का गौरव

स्वामी विवेकानन्द पार्क का परिवर्तन सेंप्रिंगफील्ड समुदाय के लिए अत्यधिक गर्व का स्रोत है। यह इस बात का जीवंत उदाहरण है कि जब निवासी साझा दृष्टिकोण और प्रतिबद्धता के साथ एक साथ आते हैं तो क्या हासिल किया जा सकता है। पार्क न केवल स्थानीय पर्यावरण को बढ़ाता है बल्कि लोगों को इकट्ठा होने, व्यायाम करने और प्रतिबिंबित करने के लिए एक सुंदर, शांतिपूर्ण जगह प्रदान करके समुदाय को भी मजबूत करता है।

विरासत को जारी रखना

स्वामी विवेकानन्द पार्क एक पार्क से कहीं अधिक है; यह आशा और सामुदायिक भावना की स्थायी शक्ति का प्रतीक है। जैसे-जैसे पार्क फलता-फूलता रहेगा, यह निस्संदेह अन्य समुदायों को परिवर्तन की अपनी यात्रा शुरू करने के लिए प्रेरित करेगा, जिससे यह साबित होगा कि दृढ़ संकल्प और सामूहिक प्रयास से, किसी भी स्थान को सुंदरता और शांति के स्वर्ग में बदला जा सकता है।

फ़रीदाबाद के उपायुक्त श्री यशपाल यादव जी ने एक बार इस पार्क का दौरा किया और सुंदर प्रयासों की सराहना की और कहा कि उन्होंने स्थानीय निवासियों द्वारा विकसित ऐसा सोसाइटी पार्क पहले कभी नहीं देखा और स्वामी विवेकानन्द पार्क टीम की सराहना की।

पर्यावरण पाठशाला ने इस खूबसूरत पार्क में विभिन्न कार्यशालाएं और पहल आयोजित की हैं और स्थानीय निवासियों के साथ प्रकृति शिक्षा कार्यक्रम संचालित करने के लिए सभी बेहतरीन प्रयास जारी रखे हैं।

आज की दुनिया में पर्यावरण संरक्षण और हरित क्रांति के लिए कई लोग अपने अनूठे पहल कर रहे हैं। भारत में कई ऐसे नायक , संगठन हैं , जो अपने क्षेत्र में प्रतिष्ठित हैं और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील हैं। ₹पर्यावरण पाठशाला₹ एक ऐसा पहल है जो इन हरियाली क्रांति के नायकों की कहानियों को साझा करने का माध्यम बनाता है। इसमें हम उनकी प्रेरणादायक कहानियों को साझा करते हैं, जो हमें पर्यावरण की दिशा में अग्रसर करने के लिए प्रेरित करती हैं।

स्वामी विवेकानन्द के शब्दों में, ₹उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाये।₹ सेंप्रिंगफील्ड, फ़रीदाबाद के निवासियों ने वास्तव में इस भावना को मूर्त रूप दिया है, और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत बनाई है।

आपके पास कोई कहानी है, तो हमारे साथ साझा करें और हमारे हरित क्रांति आंदोलन का हिस्सा बनें

email at
indiangreenbuddy@gmail.com

इनसाइड

गृहणियों में बढ़ रहा है मेंटल स्ट्रेस, एक्सपर्ट्स ने बताया खुश रहने का तरीका

बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है. ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं.

पूरे घर को संभालने वाली (गृहणी/हाउसवाइफ) हमारी मां या पत्नी घर के हर एक सदस्य की जरूरत का ख्याल रखती हैं. उनका पूरा दिन घर की चार दीवारी में ही शुरू होता है और उसी में खत्म हो जाता है. सुबह से रात तक उनकी यही कोशिश रहती है कि किसी भी सदस्य को घर में कई तकलीफ न हो. ये सब वो किसके लिए करतीं हैं? अपने परिवार के लिए, परिवार की खुशियों के लिए. फिर जब कभी वो जरा गुस्सा हो जाती हैं, तो हम उन्हें गलत समझने लगते हैं. लेकिन क्या कभी सोचा है कि वो भी कितनी तरह के तनाव से जूझ रही है? उनकी मेंटल हेल्थ के बारे में कभी बात की है? ओनली माई हेल्थ की न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, बाहर जा कर काम करने वाली महिलाओं के पास फिर भी बाहर जाकर अपनी बात कहने का या मूड बदलने का एक ऑप्शन होता है, लेकिन हाउसवाइफ के साथ ऐसा नहीं है. ऐसे में वो घर में ही गुस्से में, द्वंद्व में, झुंझलाहट में या चिंता में पड़ी रहती हैं. इस रिपोर्ट में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (Clinical Psychologist) डॉ. प्रज्ञा मलिका (Dr. Pragya Malika) का कहना है कि हाउसवाइफ में तनाव कई वजहों से होता है. ऐसी स्थिति में वे अकेले रहने लग जाती हैं. परिवार में जब कॉनफ्लिक्ट्स (झगड़े और विवाद) बढ़ते हैं तो वे एडजस्टमेंट की ओर जाते हैं. जब ये मुद्दे हल नहीं हो पाते तो सुसाइड, तलाक या अन्य मेंटल डिसऑर्डर (Mental Disorder) में बदल जाते हैं. इसे ही दुष्चक्र या विशियस साइकल (Vicious Cycle) कहते हैं. डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ इन तरीकों को अपनाकर खुश रह सकती हैं.

अपनी हॉबीज को करें याद

डॉ प्रज्ञा का कहना है कि अक्सर महिलाएं घर के काम में उलझकर अपनी हॉबीज (शौक) को भूल जाती हैं. जब ये निराशा या कुंठा बढ़ने लग जाए, तो अपने हुनर को याद करें. वो काम जिसे आप पूरे मजे के साथ करते थे, वो दोबारा करें. खुद सोचें कि आपको क्या करने में अच्छा लगता है. ऐसा करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा.

परेशानी का कारण ढूंढे

डॉ. प्रज्ञा के मुताबिक हाउसवाइफ को ये देखना पड़ेगा कि उन्हें परेशानी किस बात से हो रही है. जब परेशानी की वजह मालूम हो जाए, तब उस पर काम करें. उस परेशानी को मैनेज करें. दरअसल, महिलाओं की टेंशन की एक वजह ये भी है कि महिला और पुरुष का दिमाग थोड़ा अलग तरह से काम करता है. जैसे महिलाएं इमोशनल होकर सोचती हैं और पुरुष लॉजिस्टिक तरीके से सोचते हैं.

नए दोस्त बनाएं

हाउसवाइफ अपने स्ट्रेस को कम करने के लिए नए दोस्त बना सकती हैं. अपने घर के आसपास, रिश्तेदारों में या स्कूल-कॉलेज के दोस्तों के संपर्क में रहें और उनसे बात करते रहना भी कई बार इस स्ट्रेस से निकलने में मदद करता है.

अपने लिए टाइम निकालें

एक हाउसवाइफ होने के नाते आप क्या चाहती हैं? हाउसवाइफ होने के नाते आपके कुछ सपने होते हैं. तो यहां उन्हें सोचने की जरूरत है कि आप क्या चाहती हैं. खुद को खुश रखने के लिए अपना मी टाइम निकालें.

कुछ चीजों को हालात पर छोड़ दें

डॉ. प्रज्ञा का कहना है कि जिस सिचुएशन में आप कुछ कर नहीं सकतीं. जो हालात आपके बस से बाहर हैं, तो उन पर न सोचें.

काफी कोशिशों के बाद भी नहीं बढ़ रहा है वजन, महिलाएं फॉलो करें ये टिप्स, तेजी से होगा वेट गेन

कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजें खाकर महिलाएं आसानी से वेट गेन कर सकती हैं

दुबली-पतली महिलाएं आमतौर पर वेट गेन करने के लिए अनगिनत नुस्खे आजमाती हैं, मगर हेल्दी डाइट फॉलो करने के बावजूद भी कई बार वजन नहीं बढ़ पाता है. ऐसे में कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स का सेवन महिलाओं के लिए बेस्ट हो सकता है.

स्लिम एंड ट्रिम लुक कैरी करने के लिए महिलाएं कई तरीके अपनाती हैं. इसके बावजूद कुछ महिलाएं मोटापे का शिकार होने लगती हैं. तो वहीं कुछ महिलाएं ऐसी भी होती हैं, जो अपने दुबलेपन को लेकर परेशान रहती हैं. अगर आपका वजन काफी कम है तो कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स लेना आपके लिए बेस्ट ऑप्शन साबित हो सकता है. इन चीजों को डाइट में शामिल करके आप आसानी से वेट गेन (Weight gain tips) कर सकती हैं.

पतली और दुबली महिलाएं अक्सर अपने फिगर को लेकर टेंशन में रहती हैं. वहीं पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने के बाद भी कई बार महिलाओं का वजन बढ़ने का नाम नहीं लेता है. ऐसे में कुछ नेचुरल सप्लीमेंट्स का सेवन आपको वेट गेन करने में मदद कर सकता है. तो आइए ओन्लीमाईहेल्थ डॉट कॉम के अनुसार, जानते हैं वजन बढ़ाने के कुछ आसान टिप्स, जिसे फॉलो करके महिलाएं खुद को फिट और हेल्दी रख सकती हैं.

प्रोटीन का सेवन करें

नेचुरल तरीके से वजन बढ़ाने के लिए प्रोटीन को बॉडी का बेस्ट सप्लीमेंट माना जाता है. खासकर प्लांट बेस्ड प्रोटीन में शुगर और फैट भरपूर मात्रा में मौजूद रहता है, जिससे मसल्स बिल्डिंग में काफी मदद मिलती है और शरीर का मेटाबॉलिज्म रेट बढ़ने लगता है. ऐसे में आप पनीर, फुल क्रीम मिल्क, दही और दूध जैसे डेयरी प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल कर सकती हैं. साथ ही चिकन, अंडा, लाल मीट, मिल्क पाउडर और प्रोटीन पाउडर जैसी चीजों से आप आसानी से वेट गेन कर सकती हैं.

फैट रिच डाइट लें

वजन बढ़ाने के लिए महिलाएं फैट से भरपूर चीजों को भी डाइट में एड कर सकती हैं. ऐसे में घी, मक्खन, नट्स और गुड फैट से भरपूर चीजों का सेवन करना महिलाओं के लिए बेस्ट होता है. इससे शरीर में कैलोरी की मात्रा बढ़ती है और महिलाओं के वजन में भी इजाफा देखने को मिलने लगता है.

कार्बोहाइड्रेट युक्त चीजें खाएं

कार्बोहाइड्रेट से भरपूर चीजें बॉडी में कैलोरी इन टेक को बढ़ावा देती हैं. जिससे वजन तेजी से बढ़ने लगता है. ऐसे में वेट गेन करने के लिए महिलाएं आलू, शकरकंद, ओट्स, ग्रेन और ब्राउन राइस का सेवन कर सकती हैं. वहीं घी और बटर से युक्त चीजें खाने से भी वेट गेन फास्ट होने लगता है.

वजन ना बढ़ने के कारण

महिलाओं में वजन ना बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं. दरअसल कई बार महिलाओं के शरीर में न्यूट्रिएंट्स पूरी तरह से एब्जॉर्ब नहीं हो पाते हैं, जिसके चलते हेल्दी डाइट लेने के बावजूद महिलाओं के शरीर में पोषक तत्वों की कमी देखने को मिलती है और उनका वजन कम रहता है. इसके अलावा इंफ्लेमेटरी डिजीज, ऑटोइम्यून डिजीज और हाइपोथायरॉयडिजम के चलते भी महिलाओं का वजन नहीं बढ़ता है.

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में हो जाती है इन विटामिंस की कमी

पुरुषों की तुलना में अक्सर ये देखा जाता है कि महिलाओं में आयरन, फॉलिक एसिड, विटामिन डी, विटामिन बी12 जैसे जरूरी तत्वों की कमी हो जाती है. अगर महिलाएं खुद की सेहत का ख्याल रखें तो प्रेगनेंसी या मेनोपॉज के दौरान समस्याओं से बच सकती है. आइए जानते हैं कि किन विटामिन की कमी महिलाओं में अक्सर देखने को मिलती है.

अक्सर महिलाओं की ये शिकायत रहती है कि रात भर सोने के बावजूद थकान महसूस करती हैं या उन्हें हर वक्त कमजोरी का अनुभव होता है. इन समस्याओं को वे लंबे समय तक नजरअंदाज करती जाती हैं जो आगे चलकर बड़ी बीमारियों की वजह बन जाता है. अगर महिलाएं अपनी सेहत का ध्यान रखें और शरीर में विटामिन्स और मिनरल्स की कमी की आपूर्ति के लिए हेल्दी डाइट लें तो जीवन भर हेल्दी जीवन जी सकती हैं.

वुमनहेल्थ के मुताबिक, दरअसल, अच्छे स्वास्थ्य के लिए शरीर को विटामिन और खनिजों की आवश्यकता पड़ती है. हर विटामिन और मिनरल्स के अपने अलग फायदे हैं जो शरीर के अलग अलग कामों को पूरा करने में मदद करते हैं. लेकिन कई वजहों से महिलाओं में पुरुषों की तुलना में कुछ खास तरह के विटामिन और खनिजों की कमी पाई जाती है. यहां हम आपको बता रहे हैं कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को किन विटामिन की कमी हो जाती है और वे किस तरह इन्हें पूरा कर सकती हैं.

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में इन विटामिन्स की हो जाती है कमी

फॉलिक एसिड या विटामिन बी9

फॉलिक एसिड शरीर में ब्लड सेल्स बनाने और डीएनए क्रिएट करने का काम करता है. यह भ्रूण के बेहतर विकास के लिए बहुत जरूरी है. इसकी कमी से प्रीमेच्योर बर्थ या जन्म के समय कम वजन होने का खतरा हो सकता है. ऐसे में प्रेग्नेंट महिलाओं को रोजाना 400 से 800 एमसीजी फॉलिक एसिड डायटरी सेप्लीमेंट के रूप में दिया जाता है. इसकी आपूर्ति के लिए आप हरी पत्तेदार सब्जियां, फल, अनाज, नट्स, चिकन आदि का नियमित सेवन करें.

विटामिन बी12

विटामिन बी12 ब्लड सेल्स और ब्रेन न्यूरॉन बनाने का काम करता है. यह भी प्रेगनेंसी में जरूरी होता है. इसके अलावा जो महिलाएं शाकाहारी हैं और जिनकी उम्र 50 से अधिक है उन्हें विटामिन बी12 की कमी हो सकती है. इसके लिए आप मिल्क, अंडा, चीज, चिकन, लीवर आदि डाइट में शामिल कर सकती हैं.

विटामिन डी

शरीर में कैल्शियम के अवशोषण के लिए विटामिन डी जरूरी होता है. यह इम्यूनिटी को भी बढ़ाता है. जबकि सूरज की रौशनी से स्किन का डायरेक्ट संपर्क ना होने की वजह से महिलाओं में विटामिन डी की काफी कमी पाई जाती है. इसके लिए आप सेप्लीमेंट का इस्तेमाल कर सकती हैं.

कैल्शियम

लड़कियों को ग्रोइंग एज में जहां 1300 एमजी कैल्शियम की जरूरत होती है, वहीं मेनोपॉज के बाद 1200 एमजी कैल्शियम की जरूरत होती है. लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाओं में इसकी कमी पूरी नहीं हो पाती. इसके लिए आप कैल्शियम रिच फूड का सेवन करें और सेप्लीमेंट का सेवन करें.

आयरन

महिलाओं में आयरन की कमी की समस्या भी काफी आम है. जिस वजह से उनके शरीर में ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है और ऑक्सीजन सप्लाई सही तरीके से ना हो पाने के कारण कमजोरी, चक्कर आना जैसी समस्या होने लगती है. ऐसे में आप आयरन रिच चीजों को डाइट में शामिल करें.

अपनी बेटियों को करें प्रोत्साहित आत्मविश्वास भरना बेहद आवश्यक

आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

कहते हैं कि बेटियां अपने माता-पिता के लिए बेहद ख़ास होती हैं। जितनी वो खास होती हैं उतनी ही ख़ास उनकी देखभाल भी होती है। जैसे-जैसे बेटियां बड़ी होती जाती हैं, वैसे-वैसे उनके प्रति माता-पिता की जिम्मेदारी भी बढ़ती जाती है। बात अगर पुराने जमाने की करें तो पहले घर-परिवार में बेटियों के पैदा होने पर उन्हें शगुन और साक्षात देवी लक्ष्मी का रूप माना जाता था। लेकिन आज के समय में भी बेटियां अपने आत्मविश्वास से ऊंचे से ऊंचा आसमान छूने की प्रतिभा रखती हैं। आज के समय में उनका दर्जा लड़कों से कम नहीं है। ये सब कुछ उनके माता-पिता की परवरिश का नतीजा होता है, जिससे उनका सिर गर्व से ऊपर उठता है। बहुत से माता-पिता होते हैं जो अपने बच्चों की तरक्की देखना चाहते हैं। वो चाहते हैं कि उनकी बेटी हर दिशा में आगे बढ़े, चाहे वो कोई भी काम क्यों ना हो। यदि आप के घर में भी बेटी है तो आज का ये लेख खास आपके लिए है, जिसके जरिये हम आपको बताएंगे कि कैसे आप उसकी सही तरीके से परवरिश करें जिससे वो आत्मविश्वास से भरी रहे। तो चलिए फिर शुरू करते हैं।

1. बेटी को करें प्रोत्साहित– जब बेटी बड़ी होती है, तो उसकी जरूरतें भी अल्फ होती चली जाती हैं। आप उसे जमीन से जुड़े रहना सिखाएं। अगर वो आगे बढ़ाने के लिए अपने भविष्य को लेकर कुछ चुनाव करती है तो उसे हताश ना करें। उसका साथ दें। एक बच्चे के लिए उसके माता-पिता का साथ बेहद जरूरी होता है। आप उसे प्रोत्साहित करें। ताकि उसके अंदर का आत्मविश्वास कम ना हो।

2. बेटी की करें तारीफ– आप अपनी बेटी को बताएं की वो दुनिया की सबसे खूबसूरत लड़की है। उसके अंदर कोई भी कमी नहीं है। उकसे अंदर ऐसी बात है जो उसे बाकियों से जुदा बनाती है। इससे बिटिया का आत्मविश्वास और भी बढ़ेगा।

3. सीखने का दें अवसर– अगर बेटी को संगीत या किसी भी तरह की एक्टिविटी में इन्ट्रेस्ट हैं लेकिन वो इन में फिट नहीं बैठते। ऐसे में अगर आप उसका साथ नहीं देंगे तो उसका मनोबल टूटता चला जाएगा। उसे सीखने का अवसर जरुर दें। उसे अपनी असल प्रतिभा धीरे-धीरे खुद समझ आएगी और वो आगे बढ़ेगी।

4. बेटी को सिखाएं समाजिकता– बेटी को समाज और उससे जुड़ी बातों के बारे में सिखाएं। उसे सिखाएं कि अगर उससे कोई दोस्ती नहीं करता तो उसका क्या कारण हो सकता है। समाज के प्रति उसके अंदर नकारात्मकता ना भरें। वरना एक समय के बाद वो समाज को नकारात्मक नजरिये से देखने लगेगी। उसे सभी पहलुओं के बारे में जरुर सिखाएं।

5. बढाएं बेटी की क्षमता– अगर आपकी बेटी अपना होमवर्क कर रही है तो यूं ही उसकी मदद ना करें। वो जब तक आपसे मदद नहीं मांगती तब तक उसकी मदद मत करें। उसे उसकी क्षमता के अनुसार काम करने दें। उसे अपने दम में हमेशा आगे बढ़ने के लिए ही प्रोत्साहित करें।

6.ना थोपें अपनी मर्जी– आज के समय में बेटियां स्पोर्ट्स को ज्यादा पसंद कर रही हैं, और उसी में अपना भविष्य भी तय कर रही हैं। अगर वो एक जिमनास्टिक बनना चाहती है या फुटबॉल खेलना चाहती है तो उसे आगे बढ़ने दें, ना की अपना फैसला या अपनी चाह उसपर थोपें। आप ये जरुर पता लगा सकते हैं, कि वो किस खेल को खेलने के लिए ज्यादा सक्षम है। आप खुद उसके लिए कोई खेल तय ना करें।

7. मत बनाइए कमजोर– आप आप एक बेटी के माता-पिता हैं तो ये बिलकुल भी ना सोचें कि वो एक बेटी होने के नाते जीवनभर संघर्ष करेगी। आप उसकी किसी ताकत या कमजोरी की धारणा बिलकुल ना बनाएं। उसकी खूबियों को प्रोत्साहित करने के साथ उसकी कमजोरियों को भी समय पर पहचानें और उसे सुधारने की कोशिश करें।

8. सेक्सिज्म के लिए करें तैयार– बहुत लोगों की सोच है कि बेटियां वो काम नहीं कर सकती जो बेटे कर सकते हैं। अगर आप अपनी बेटी को वो टीवी शो या फ़िल्में देखते हुए नोटिस करते हैं जो पूरी गर्ल्स पर आधारित होती है तो उसे समझिये और उसे सेक्सिज्म के लिए तैयार करें।

9. बेटी को दिखाएं रोल मॉडल– अक्सर ऐसा होता है जब भी आप कोई न्यूज़ देखते या पढ़ते हैं तो उसमें आपको कई महिलाएं सीनेटरी, खिलाड़ी, चिकित्सक या एथलीट दिखेंगी। ये अच्छा तरीका होता है अपनी बेटी को इन महिलाओं के बारे में दिखाना और समझाना। आप इम्में से कोई भी अपनी बेटी के लिए रोल मॉडल चुनने में उसकी मदद कर सकते हैं।

तो ये कुछ ऐसी खास टिप्स हैं, जिनकी मदद से आप अपनी बिटिया को अच्छी परवरिश देने के साथ उसमें आत्मविश्वास भर सकते हैं। अगर आपकी भी बेटी है तो आप हमारी बताई हुई टिप्स को जरुर आजमाएं। आपको इससे बेहतर परिणाम मिलेगा।

'स्वाति मालीवाल को बुरी तरह पीटा गया', दिल्ली पुलिस ने लगाया आरोप, कोर्ट ने बिभव कुमार को पांच दिन की रिमांड पर भेजा

राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल पर हमला करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने देर रात मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को तीस हजारी कोर्ट में पेश किया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट गौरव गोयल के समक्ष पेश करके सात दिन के रिमांड की मांग की थी। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद बिभव को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल पर हमला करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने देर रात मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (Arvind Kejriwal) के निजी सचिव बिभव कुमार को तीस हजारी कोर्ट में पेश किया। ड्यूटी मजिस्ट्रेट गौरव गोयल के समक्ष पेश करके सात दिन के रिमांड की मांग की थी। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद बिभव को पांच दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

पुलिस ने कोर्ट में क्या कहा ?

सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि डीवीआर की मांग की गई, वह पेन ड्राइव में दिया गया। फुटेज खाली पाया गया। पुलिस को आईफोन दे दिया गया है, लेकिन अब आरोhr पासवर्ड नहीं बता रहा है और फोन को मुंबई में फ\मेंट कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि बिभव आज भी घटना स्थल पर मौजूद थे।

बिभव कुमार की हिरासत जरूरी

पुलिस ने कहा कि हमले के कारण के बारे में पूछताछ के लिए बिभव कुमार की हिरासत जरूरी है। पुलिस ने साथ ही बिभव कुमार पर सीएम आवास पर सुबूत मिटाने की कोशिश का आरोप लगाया। दिल्ली पुलिस ने कहा मौजूदा महिला सांसद को बुरी तरह पीटा गया, उनके बटन भी खुल गए। वहीं, बिभव कुमार की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता मुदित जैन रिमांड का विरोध करते हुए ने अदालत को बताया कि स्वाति अपनी मर्जी से मुख्यमंत्री आवास गई थीं, उन्होंने सीएम आवास पर आने के संबंध में किसी को भी जानकारी नहीं दी। यह भी कहा कि पुलिस तथ्यों को गलत तरीके से पेश कर रही है।

स्वाति मालीवाल के साथ हुई अभद्रता पर विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति ने जताया खेद

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने राज्य सभा सांसद और आम आदमी पार्टी की नेता स्वाति मालीवाल के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास में हुई अभद्रता और मारपीट की घटना की कड़ी निंदा की है और राज्यसभा सांसद मालीवाल के प्रति संवेदना व्यक्त की है ।विहिप के महिला आयाम मातृशक्ति की प्रमुख पूनम बब्बर ने मालीवाल को एक पत्र लिखकर कहा है कि उनके साथ हुई वर्तमान घटना से हम सब महिलाएं बहुत चिंतित हैं ।उन्होंने अपने पत्र में लिखा कि आप जैसी सशक्त महिला जो राज्यसभा की सदस्य हैं और पूर्व में दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष भी रही है उनके साथ इस प्रकार आम आदमी पार्टी के मुख्यमंत्री केजरीवाल के निजी सचिव विभव कुमार जैसे व्यक्ति के द्वारा किए गए अत्याचार के विरुद्ध हम दिल्ली प्रांत मातृशक्ति आयाम की बहने आपके साथ खड़ी है ।बब्बर ने लिखा कि वह इस घटना की भरपूर निंदा करती हैं। हम एक महिला का दर्द समझ सकते हैं। जब उसके आत्म सम्मान को ठेस पहुंचाई जाती है तो वह कैसा महसूस करती हैं। हम महिलाएं अपनी गृहस्थी को संभालते हुए जब समाज के हित के लिए कुछ करना चाहती हैं तो हमें इन परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जो हमारे लिए बड़ा दर्दनाक होता है। उन्होंने सुश्री मालीवाल को लिखे पत्र में कहा ''मेरा मानना है कि भारत की राजधानी दिल्ली जैसे शहर में एक राजनीतिक दल के मुख्यमंत्री के निजी सचिव के द्वारा महिलाओं के प्रति इस प्रकार का दुर्व्यवहार यह दर्शाता है कि वह राजनीतिक दल महिलाओं का कितना सम्मान करता है ।एक महिला होने के कारण से मैं आपको अपनी सखी मान कर यह सुझाव देना चाहती हूं कि ऐसे विधर्मियों के खिलाफ हमें डटकर खड़े रहना है और मजबूती से इनका मुकाबला करना है। मैं अपनी मातृशक्ति आयाम की ओर से और विश्व हिंदू परिषद संगठन की ओर से आपके साथ हुए इस दुर्व्यवहार पर अपनी संवेदनाएं प्रकट करती हूं।श्रीमती बब्बर ने सुश्री मालीवाल की हिम्मत बढ़ाते हुए कहा कि हम सभी बहने उनके साथ खड़ी हैं उनके स्वास्थ्य और सामाजिक भविष्य के लिए हमारी शुभकामनाएं देती हैं।

'वो पीएम हैं या थाने दार...', दिल्ली में जनसभा कर केजरीवाल भाजपा पर साधा निशाना, बोले- वोट देंगे तो नहीं जाऊंगा जेल

राष्ट्रीय राजधानी में जैसे-जैसे मतदान की तिथि नजदीक आ रही है नेताओं के हमले तीखे होते जा रहे हैं। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मेरे पीए को भी गिरफ्तार कर लिया यह पीएम हैं या थानेदार। इसके साथ ही उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से कहा कि अगर AAP को वोट मिलेगा तो मुझे जेल नहीं जाना पड़ेगा।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में जैसे-जैसे मतदान की तिथि नजदीक आ रही है नेताओं के हमले तीखे होते जा रहे हैं। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान शनिवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (Delhi CM Arvind Kejriwal) ने कहा कि मेरे पीए को भी गिरफ्तार कर लिया, यह पीएम हैं या थानेदार। इसके साथ ही उन्होंने सभा में उपस्थित लोगों से कहा कि अगर आम आदमी पार्टी (AAP) को वोट मिलेगा तो मुझे जेल नहीं जाना पड़ेगा।

सीएम ने पांच जगह की जनसभा

पश्चिमी दिल्ली लोस क्षेत्र में शनिवार को मुख्यमंत्री ने पांच जगह नजफगढ़, विकासपुरी, जनकपुरी, हरिनगर और मादीपुर में छोटी छोटी जनसभा की। इस दौरान उन्होंने स्वाति मालीवाल मसले पर तो कुछ नहीं कहा, पर अपने निजी सहायक की गिरफ्तारी पर हर सभा में भाजपा और केंद्र सरकार को निशाने पर रखा।

कई नेताओं को जेल में डाला

उन्होंने कहा कि सत्येंद्र जैन, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, मुझे और अब मेरे पीए को गिरफ्तार कर लिया है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि ये पीएम है या थानेदार। आगे ये लोग राघव चड्ढा, आतिशी और सौरभ भारद्वाज को भी गिरफ्तार करेंगें।

उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों तक ये लोग हमारी पार्टी को बदनाम करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। इस दौरान उन्होंने पश्चिमी दिल्ली से आप प्रत्याशी महाबल मिश्रा को जीताने के लिए झाड़ू का बटन दबाने की अपील की।

फ्री बिजली, शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधा दी- केजरीवाल

इससे पहले उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे जेल इसलिए भेजा गया कि मैंने दिल्लीवालों को अच्छी शिक्षा और अच्छी स्वास्थ्य सुविधा दी। पीएम ने मेरा काम रोकने के लिए मुझे जेल में डाल दिया। मैंने लोगों की दवाई फ्री करवाई, लेकिन मैं तिहाड़ गया तो मुझे इंसुलिन तक नहीं दिया गया। मैं दस साल से प्रतिदिन इंसुलिन ले रहा था। लेकिन, आपलोगों की दुआ से मुझे इंसुलिन मिली।

इससे पहले हरिनगर में सभा के लिए सीएम के लिए मंच भी बना हुआ था, लेकिन वे मंच पर न आकर सड़क पर ही गाड़ी में खड़े होकर भाषण देने लगे। इस दौरार सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थोड़ी देर पुलिस भी परेशानी में दिखी।

पारा चढ़ते ही बढ़ी बिजली की मांग, दिल्ली में पहली बार 6987 मेगावाट पहुंची डिमांड

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जा रही है वैसे-वैसे बिजली की मांग भी बढ़ रही है। मई के शुरुआती 18 दिनों में पहली बार बिजली की मांग 6987 मेगावाट पहुंच गई जो अब तक की सबसे ज्यादा है। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) के आंकड़ों के अनुसार 17 मई को ही इतने मेगावाट बिजली की मांग हुई।

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जा रही है, वैसे-वैसे बिजली की मांग भी बढ़ रही है। मई के शुरुआती 18 दिनों में पहली बार बिजली की मांग 6987 मेगावाट पहुंच गई, जो अब तक की सबसे ज्यादा है। स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) के आंकड़ों के अनुसार, 17 मई को ही इतने मेगावाट बिजली की मांग हुई।

जैकी श्रॉफ के नाम 'भिड़ू' और फोटो-आवाज के प्रयोग पर रोक, दिल्ली हाईकोर्ट ने अभिनेता की याचिका पार दिया अंतरिम आदेश

Delhi High Court दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर बालीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ के पक्ष में अंतरिम आदेश पारित किया है। जैकी श्रॉफ द्वारा दायर मुकदमे पर अदालत ने प्रतिवादी संस्थाओं को श्रॉफ की सहमति के बिना उनके नाम फोटो आवाज और शब्द भिड़ू के व्यवसायिक उपयोग पर रोक लगा दी है।

दिल्ली हाईकोर्ट दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर बालीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ के पक्ष में अंतरिम आदेश पारित किया है। जैकी श्रॉफ द्वारा दायर मुकदमे पर अदालत ने प्रतिवादी संस्थाओं को श्रॉफ की सहमति के बिना उनके नाम फोटो आवाज और शब्द भिड़ू के व्यवसायिक उपयोग पर रोक लगा दी है।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों की सुरक्षा की मांग वाली याचिका पर बालीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ के पक्ष में अंतरिम आदेश पारित किया है। जैकी श्रॉफ द्वारा दायर मुकदमे पर अदालत ने प्रतिवादी संस्थाओं को श्रॉफ की सहमति के बिना उनके नाम, फोटो, आवाज और शब्द ₹भिड़ू₹ के व्यवसायिक उपयोग पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति संजीव नरूला की पीठ ने साथ ही अश्लील प्रकृति के संबंधित लिंक को हटाने का दिया, जिसमें श्रॉफ के नाम का इस्तेमाल किया गया था।

अदालत ने माना कि एक सेलिब्रिटी के रूप में श्रॉफ की स्थिति उन्हें उनके व्यक्तित्व और संबंधित विशेषताओं के संबंध में कुछ अधिकार प्रदान करती है। अदालत ने साथ ही भिडु शब्द का इस्तेमाल करने वाले एक रेस्तरा समेत अन्य प्रतिवादियों को भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

हालांकि, अदलात ने ठगेश नामक यूट्यूब चैनल पर पोस्ट किए गए जैकी श्रॉफ इज सैवेज, जैकी श्रॉफ ठग लाइफ शीर्षक वाले वीडियो को हटाने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि वीडियो कलात्मक अभिव्यक्ति का एक रूप है और इसे प्रतिबंधित करने के दूरगामी परिणाम होंगे। मामले में आगे की सुनवाई 15 अक्टूबर को होगी।

जैकी श्रॉफ की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता प्रवीण आनंद ने कहा कि उनके मुवक्किल के नाम, छवि, आवाज और उनके व्यक्तित्व की विशेषताओं के दुरुपयोग से उनके व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है।

श्रॉफ ने याचिका दायर कर कहा था कि उनके नाम, छवि, आवाज और उनके व्यक्तित्व की विशेषताओं के दुरुपयोग कर उनके व्यक्तित्व और प्रचार अधिकारों का उल्लंघन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रतिवादियों में से एक द्वारा ₹भिड़ू₹ नाम से एक रेस्तरां चला रहा था, जो श्रॉफ का पंजीकृत ट्रेडमार्क है।

श्रॉफ ने कहा कि उनकी सहमति के बिना अश्लीलता की हद तक दुरुपयोग किया जा रहा है और टी-शर्ट, पोस्टर, मग और पोस्टर पर उनकी छवियों का उपयोग कर रहे हैं। इसी तरह के मामले में इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट सुपरस्टार अमिताभ बच्चन व अनिल कपूर को राहत दे चुका है।

दुश्मनों के मंसूबों को जड़ से नष्ट करेगी डिजिटल फोरेंसिक लैब, सीमा पार से आनेवाले ड्रोन का हो सकेगा खात्मा

इन ड्रोन को एंटी राग ड्रोन टेक्नोलॉजी कमेटी (आरओजीयूई) की ओर से तुरंत मारकर नष्ट कर दिया जाता है। उसमें रडार और जैमर डिटेक्शन में दिक्कत आती है और उसका डाटा भी रिकवर नहीं हो पाता जिस वजह से दुश मन के मंसूबों तक आखिर वह ड्रोन उसने क यों भेजा गया उसका पता नहीं लग पाता। साइबर फोरेंसिक लैब नष्ट डिवाइस से भी डाटा रिकवर कर सारे जवाब

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली/नोएडा। डिजिटल क्रांति नित नए अध्याय लिख रही है। उसी के माध्यम से आतंकी संगठनों के मंसूबों को भी पस्त किया जा रहा है। एक कड़ी आगे बढ़ते हुए आतंकी देशों द्वारा देश की सीमा पर भेजे जाने वाले ड्रोन के मकसद का भी पता लगाया जा सकेगा। इसके लिए देश की पहली डिजिटल साइबर फोरेंसिक लैब तैयार हो रही है। दुश्मन देश लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर आए दिन ड्रोन के माध्यम से कभी हथियार गिराते हैं तो कभी नशे का सामान फेंकते हैं या फिर रेकी करते हैं।

इन ड्रोन को एंटी राग ड्रोन टेक्नोलॉजी कमेटी (आरओजीयूई) की ओर से तुरंत मारकर नष्ट कर दिया जाता है। उसमें रडार और जैमर डिटेक्शन में दिक्कत आती है और उसका डाटा भी रिकवर नहीं हो पाता, जिस वजह से दुश्मन के मंसूबों तक आखिर वह ड्रोन उसने क्यों भेजा गया, उसका पता नहीं लग पाता। एक माह बाद शुरू होने वाली साइबर फोरेंसिक लैब नष्ट डिवाइस से भी डाटा रिकवर कर सारे जवाब उगलवा लेगी।

स्वीडन-इजरायल साइबर टूल का इस्तेमाल

नोएडा स्थित गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी में तैयार इस डिजिटल साइबर फोरेंसिक लैब में डाटा रिकवर करने के लिए स्वीडन-इजरायल साइबर टूल का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें डाटा स्ट्रैक्शन टूल को लगाया जाएगा, जिसमें ड्रोन की नष्ट चिप को लगाया जाएगा, इसके बाद उसकी सारी वह जानकारी हासिल होनी शुरू हो जाएगी। इसमें उसकी रिपोर्ट किसके पास है, किस स्थान से उड़ाया गया, ड्रोन के द्वारा कहां-कहां की तस्वीरें क्लिक की गईं, कहां भेजी गईं सब राज उगले जाएंगे। डाटा स्ट्रैक्शन वो टूल है, जिसमें नष्ट डाटा खुद ही रिकवर हो जाता है।

इसी तरह किसी आतंकी या देश के विरुद्ध साजिश रचने वाले किसी आरोपित का नष्ट किया हुआ मोबाइल, लैपटाप मिलता है तो उसे भी रिकवर किया जा सकेगा। इसके लिए स्वीडन, इजरायल, अमेरिका के साइबर टूल का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसमें नष्ट गैजेट के कुछ अंश को डालने के बाद में मैसेज, ई-मेल, फोटो, फाइल समेत अन्य जानकारी हासिल हो सकेंगी।

लगातार बढ़ रहे ड्रोन हमले

ड्रोन साइबर लैब गौतमबुद्ध नगर यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. निशाकांत ओझा के मार्गदर्शन में मुंबई स्थित साइबर टिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार होने के अंतिम चरण में है। कंपनी और यूनिवर्सिटी के बीच अनुबंध प्रक्रिया भी हो चुकी है। जून माह के अंत तक इसकी शुरुआत हो जाएगी। साइबर एवं एयरोस्पेस सिक्योरिटीज (प्रतिरोध-आतंकवाद-एआइ) विशेषज्ञ डॉ. निशाकांत ओझा ने बताया कि वर्ष 2020 से 2023 के बीच आंकड़ों को देखा जाए तो 500 से अधिक प्रतिबंधित ड्रोन के जरिये देश के बार्डर क्षत्र गुजरात, पंजाब, राजस्थान, जम्मू में वेपन हिरोइन, ओपीएम (अफीम), नाइन एमएम पिस्टल, 132 राउंड गन भेजी गई हैं। पिछले वर्षों की तुलना में अब ड्रोन गतिविधि तीन गुना बढ़ गई हैं। इन गतिविधियों को रोकने के मकसद से ही इस लैब को तैयार किया गया है।

आत्मघाती ड्रोन का डाटा भी होगा रिकवर

इस लैब की एक और खासियत है कि इसमें दुश्मन देश से भेजे जाने वाले आत्मघाती ड्रोन का डाटा भी रिकवर किया जा सकेगा। इसमें ड्रोन के मलबे को एकत्र करके लैब लाया जाएगा और इसके बाद डाटा रिकवर किया जाएगा। यह ड्रोन इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से लैस होते हैं। ये बिलकुल मानव बम की तरह काम करते हैं यानी अपना मकसद पूरा करने के बाद खुद ही ब्लास्ट हो जाते हैं। ऐसे ड्रोन का डाटा डिटेक्ट करना अभी तक बड़ी चुनौती बना हुआ था। इससे निपटने के लिए यह लैब कारगर साबित होगी।

हर सुरक्षा एजेंसी के लिए मददगार

इस लैब में न केवल ड्रोन का ही डाटा रिकवर होगा बल्कि टूटे हुए मोबाइल फोन, लैपटाप इत्यादि का भी डाटा रिकवर हो सकेगा। इससे सभी ला इंफोर्समेंट एजेंसी, एनआइए, रा, सीबीआइ, आइबी, ईडी, स्टेट पुलिस, एसटीएफ, एसओजी को लाभ होगा। इससे इन एजेंसियों को किसी भी आपराधिक घटना या आतंकवादी घटना का पर्दाफाश करने में काफी मदद मिलेगी।

किस बार्डर पर कितने ड्रोन मिले

बार्डर एरिया	ड्रोन संख्या
गुजरात	30
जम्मू	50
पंजाब	380
राजस्थान	40

(नोट : वर्ष 2020 से 2023 के बीच बीएसएफ की ओर से कार्रवाई में डैमेज ड्रोन का आंकड़ा)

रूस, इजरायल, स्वीडन जैसे देश आज इसी प्रकार के सेंटर संचालित कर रहे हैं। नोएडा का सेंटर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) के रूप में संचालित होगा। हमारे देश में तमाम आतंकी गतिविधियां होती हैं, जिसमें फोन इस कदर डैमेज मिलता है, जिससे डाटा रिकवर करना बहुत मुश्किल हो जाता है, ऐसे फोन व ड्रोन का डाटा रिकवर करने का काम अब आसानी से किया जा सकेगा।

- प्रोफेसर डॉ निशाकांत ओझा, विशेषज्ञ साइबर एवं एयरोस्पेस सिक्योरिटीज (प्रतिरोध-आतंकवाद-एआई)

जेनरेटर में धमाके से सोसाइटी के चार फ्लैट्स में लगी आग, पीएनजी लाइन भी हुई लीक; कई घंटों बाद पाया काबू

इंदिरापुरम कोतवाली के अहिंसा खंड-दो की अरिहंत हार्मोनी सोसाइटी में शनिवार दोपहर को जेनरेटर में आग लग गई। धमके से आग पास टावर के चार फ्लैट्स तक पहुंच गई। पास रखे डीजल से भरे ड्रम भी चपेट में आ गए। सूचना पर पहुंचे अग्निशमनकर्मियों ने पौने घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है।

साहिबाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली के अहिंसा खंड-दो की अरिहंत हार्मोनी सोसाइटी में शनिवार दोपहर को जेनरेटर में आग लग गई। धमके से आग पास टावर के चार फ्लैट्स तक पहुंच गई। पास रखे डीजल से भरे ड्रम भी चपेट में आ गए। सूचना पर पहुंचे अग्निशमनकर्मियों ने पौने घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। चारों फ्लैट काम सामान जल गया।

शनिवार दोपहर करीब 12 बजे अरिहंत हार्मोनी सोसाइटी के गेट के पास लगे जेनरेटर में अचानक धुआं निकलने लगा। ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा गार्ड इंद्रपाल ने इंचार्ज को इसकी जानकारी दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

अग्निशमन विभाग को आग लगने की सूचना दी और सोसाइटी में लगे फायर फाइटिंग सिस्टम से आग बुझाने का प्रयास करने में जुट गए। सभी लोग अपने फ्लैट्स से बाहर की ओर भागे। अग्निशमनकर्मी पांच गाड़ियां लेकर मौके पर पहुंचे।तभी जेनरेटर में तेज धमाका हुआ।

आग विस्टा टावर दो के चार फ्लैट्स तक पहुंच गई।पास में रखे डीजल के ड्रम भी आग की चपेट में आ गए। आग की तेज लपटें और धुआं निकल रहा था।

अग्निशमनकर्मियों ने कड़ी मशक्कत कर आग पर काबू पाया। आग से कोई हताहत नहीं हुआ।

फ्लैट्स में भरा था धुआं, जल रहा था सामान

अग्निशमनकर्मी मौके पर पहुंचे तो लोग सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए थे। हौज रोल बिछाकर अग्निशमन कर्मियों ने फ्लैट्स के दरवाजों के ताले खुलवाई। अंदर धुएं का गुबार था। आग की लपटें उठ रही थीं। बीए सेट पहनकर अग्निशमन कर्मी अंदर गए और खिड़कियों के शीशे तोड़े। आग फ्लैट नंबर 8एफ अपर्णा गर्ग, 8एफ केएन मित्तल, 8एस एसके मिश्रा और 8टी में बिजेश पाठक में आग लगी थी। दीवारों से प्लास्टर गिर रहा था। अग्निशमन कर्मियों ने आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक फ्लैट का सामान जल चुका था।

अग्निशमनकर्मियों पर देरी से पहुंचने का लगाया आरोपः आग की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई।स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूचना देने के आधे घंटे बाद अग्निशमनकर्मी मौके पर पहुंचे। वहीं अग्निशमन अधिकारी का कहना था कि दोपहर 12:29 पर आग की सूचना मिली। तभी वह तीन गाड़ियां लेकर घटना स्थल के लिए निकल गए थे। अहिंसा खंड में घटना स्थल से पहले सड़क पर लोगों की इतनी संख्या और वाहन के कारण जाम लग गया। वाहनों को हटवाकर गाड़ियां यहां लेकर पहुंचे हैं। पौन घंटे में आग को पूरी तरह से बुझाया गया है। देरी से आने के आरोप निराधार हैं।

जेनरेटर के पास थी पीएनजी लाइन

सोसाइटी में जिस स्थान पर आग ली थी। उसके पास में ही दो जगह पर पीएनजी की लाइन थी। आरोप है कि पाइप में लीकेज हो गया था। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि आग जेनरेटर में धमाके से लगी थी। हालांकि अग्निशमन अधिकारी का कहना था कि आग लगने के कारण का पता नहीं चल सका है। आग लगने के बाद आईजीएल कंपनी कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे थे।

निर्धारित क्षमता से अधिक रखा था डीजल

अग्निशमनकर्मी मोके पर पहुंचे तो देखा कि डीजल से भरे चार ड्रम मौके पर रखे हुए थे। आग लगने के दौरान दबाव से फूले हुए थे। कुछ ड्रम फट गए थे। मौके पर सोसाइटी के मेंटेनेंस प्रबंधक वीके पांडेय बुलाया। उनसे डीजल रखने के बारे में पूछा, अनुमति मांगी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने नोटिस जारी किया जाएगा। वहीं वीके पांडेय का कहना था कि दो जेनरेटर थे ढाई सौ लीटर डीजल था। इतना तो डीजल लगता चलाने के लिए बड़े जेनरेटर में।

आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे थे। जेनरेटर में आग से फ्लैट में आग लगी है। पौने घंटे में आग पर पूर्ण रूप से बुझाया गया। कोई हताहत नहीं हुआ है। आग लगने के कारण का पता नहीं चला है।

-राहुल पाल, मुख्य अग्निशमन अधिकारी।

केटीएम बाइक से लूटपाट करने वाले गिरोह के सरगना समेत दो मुठभेड़ में गिरफ्तार...

नोएडा कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस और दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के संयुक्त ऑपरेशन में केटीएम बाइक से लूटपाट करने वाले गिरोह के सरगना समेत दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ शनिवार तड़के हुई। गोली लगने के बाद घायल एक बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनके पास से लूट की दो सोने की चेन दो मोबाइल फोन तमंचा और केटीएम बाइक बरामद की है।

नोएडा। नोएडा कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस और दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के संयुक्त ऑपरेशन में केटीएम बाइक से लूटपाट करने वाले गिरोह के सरगना समेत दो बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है।

मुठभेड़ शनिवार तड़के हुई। गोली लगने के बाद घायल एक बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनके पास से लूट की दो सोने की चेन, दो मोबाइल फोन, तमंचा और केटीएम बाइक बरामद की है। गिरोह के सरगना के खिलाफ दिल्ली-एनसीआर में 69 से अधिक लूट व चोरी के मुकदमे दर्ज हैं।

एडीसीपी मनीष कुमार मिश्र ने बताया कि शनिवार सुबह सेक्टर-50 के निकट जेजे कॉलोनी के पास पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। तभी बाइक सवार दो युवक आते दिखाई दिए। रुकने का इशारा किया तो पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए भागने लगे।

एक बदमाश टांग में गोली लगने से घायल

जवाबी फायरिंग में एक बदमाश टांग में गोली लगने से घायल हो गया। उसकी पहचान नजाकत उर्फ केटीएम उर्फ भूरा के रूप में हुई। नजाकत मूलरूप से जिला अमरोहा के गजरौला क्षेत्र का रहने वाला है।

वर्तमान में गाजियाबाद में रहता है। इसके खिलाफ दिल्ली-एनसीआर में 69 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वहीं दूसरे बदमाश की पहचान जिला मेरठ परतापुर के हर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि नजाकत नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली/एनसीआर क्षेत्र में करीब 100 से अधिक चेन छीनने व झपट्टमारी की घटनाएं कर चुका है। दिल्ली में ही लगभग 35 मुकदमें दर्ज हैं।

ये लोग चेन लूटने के बाद सुनार को बेच देते थे। शनिवार को भी दोनों चेन सुनार को बेचने जा रहे थे, लेकिन दिल्ली पुलिस द्वारा दोनों बदमाशों का पीछा किया जाने लगा जिसपर नोएडा भाग आए थे। सूचना पर कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस द्वारा भी पीछा किया गया।

गुरुग्राम की हाईराइज सोसायटी में अटकी लिफ्ट, बच्ची सहित दो लोग फंसे

गुरुग्राम की मैप्सको कासाबेला सोसायटी में बुधवार देर रात एक बच्ची सहित दो लोग लिफ्ट में फंस गए। एक घंटे तक लिफ्ट में फंसे रहने के कारण 10 वर्षीय बच्ची और उसके पिता की हालत खराब हो गई। कड़ी मशक्कत के बाद सोसायटी प्रबंधन की टीम ने दोनों को बाहर निकाला। लिफ्ट दूसरी मंजिल और तीसरी मंजिल के बीच आकर अटक गई थी।

गुरुग्राम। शहर के सेक्टर 82 स्थित मैप्सको कासाबेला सोसायटी में बुधवार रात को एक दस वर्षीय बच्ची सहित दो लोग लिफ्ट में फंस गए। ग्राउंड फ्लोर से 15वीं मंजिल पर जाने के दौरान लिफ्ट चौथी मंजिल पर पहुंचते ही झटके से वापस दूसरी मंजिल और तीसरी मंजिल के बीच आकर अटक गई।

एक घंटे तक लिफ्ट में फंसे रहने के कारण 10 वर्षीय बच्ची और उसके पिता की हालत खराब हो गई। कड़ी मशक्कत के बाद सोसायटी प्रबंधन की टीम ने दोनों को बाहर निकाला।

दूसरी और तीसरी मंजिल के बीच आकर फंसी लिफ्ट

सोसायटी निवासी नेहा ने बताया कि वह मैप्सको कासाबेला के बी टू टावर में 15वीं मंजिल पर रहते हैं। उनके पति मनीष बटवारा और 10 वर्षीय बच्ची ग्राउंड फ्लोर से फ्लैट में लिफ्ट के जरिए आ रहे थे। अचानक चौथी फ्लोर पर आते ही लिफ्ट में जोर से झटका लगा और लिफ्ट दूसरी और तीसरी मंजिल के बीच आकर फंस गई और दरवाजा नहीं खुला।

झटका लगने से एक साइड का दरवाजा टेढ़ा हो गया जिससे मोबाइल में नेटवर्क आ गया और लिफ्ट से मनीष ने अपने घर पर इसकी सूचना दी, इसके साथ ही प्रबंधन को भी जानकारी दी। सोसायटी प्रबंधन की टीम एक घंटे तक लिफ्ट को खोलने का प्रयास करती रही और मौके पर मदद के लिए सोसायटी निवासी भी पहुंच गए। एक घंटे बाद लिफ्ट में फंसे दोनों लोग को बाहर निकाला जा सका। स्थानीय लोगों का कहना है कि लिफ्ट पहले भी कई बार खराब हो चुकी है।

4 साल की बच्ची पर 10-15 कुत्तों ने किया हमला, लड़की चिल्लाती रही और कुत्ते नोचते रहे; हालत गंभीर

गाजियाबाद में कुत्तों का आतंक देखने को मिला है। मेरठ रोड़ स्थित भीकनपुर गांव के पास एसआर भट्ठा पर शनिवार दोपहर 12 बजे चार साल की बच्ची फरहीन को खेलते समय 10-15 आवारा कुत्तों ने नोच डाला। आधा घंटे तक कुत्तों ने बच्ची के हाथ-पैर सिर गर्दन समेत शरीर के अधिकांश हिस्सों पर नोच-नोचकर गहरे घाव कर दिए। बच्ची चिल्लाती रही और कुत्ते नोचते रहे।

गाजियाबाद। मेरठ रोड़ स्थित भीकनपुर गांव के पास एसआर भट्ठा पर शनिवार दोपहर 12 बजे चार साल की बच्ची फरहीन को खेलते समय 10-15 आवारा कुत्तों ने नोच डाला। आधा घंटे तक कुत्तों ने बच्ची के हाथ-पैर, सिर, गर्दन समेत शरीर के अधिकांश हिस्सों पर नोच-नोचकर गहरे घाव कर दिए। बच्ची चिल्लाती रही और कुत्ते नोचते रहे।

रोने की आवाज सुनकर फरहीन की मां रूखसाना और बाप जोरीफ हाथ में डंडा लेकर पहुंचे। कुत्तों को बड़ी मुश्किल से भगाया। खून से लथपथ फरहीन को लेकर मां रूखसाना संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल पहुंची। डा. रणजीत सिंह ने बताया कि बच्ची गंभीर रूप से घायल अवस्था में इमरजेंसी में लाई गई थी। एंटी रेबीज वैक्सीन लगाने के साथ घावों की सफाई करने के बाद बच्ची को जीटीबी दिल्ली रेफर कर दिया गया।

दो बजे जीटीबी में भर्ती करा दिया गया था

एंबुलेंस सेवा के प्रोग्राम मैनेजर जयविंदर सिंह ने बताया कि बच्ची को दो बजे जीटीबी में भर्ती करा दिया गया था। बच्ची के पिता जोरीफ ने बताया कि बच्ची ने एक बार केवल फ्रूटी मांगी थी। उसके बाद बच्ची के शरीर में कोई हलचल नहीं है। चिकित्सकों ने बच्ची को आक्सीजन लगा दी है। जोरीफ अपनी बेटी फरहीन, बेटा फरहान और पत्नी रूखसाना के साथ भट्ठा पर मजदूरी करके गुजारा कर रहे हैं।

कुत्तों के काटने से 20 से अधिक बच्चे घायल

इससे पहले जिले में आवारा और पालतू कुत्तों के काटने से 20 से अधिक बच्चे गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं। थानों में एफआइआर दर्ज होने के साथ ही नगर निगम द्वारा कई कुत्तों के मालिकों पर जुर्माना भी लगाया है। राजनगर एक्सटेंशन स्थित सेवा विला डे सोसायटी में रहने वाली 75 वर्षीय बुजुर्ग महिला सोनी पारसी को 11 मई को मंदिर जाते समय कई आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया।

महिला कुत्तों से बचने के चक्कर में गिर गईं और कुत्तों ने उनके हाथ-पांव और मुंह पर काटकर गहरे और गंभीर घाव कर दिए थे। दो दिन तक निजी अस्पताल में महिला का इलाज चला और चिकित्सकों ने 28 टांके लगाए। अभी हालत में सुधार नहीं है।

14 वर्षीय किशोर की रेबीज से मौत

पांच सितंबर 2023 को विजयनगर के रहने वाले 14 वर्षीय किशोर सावेज की रेबीज से मौत हो गई थी। इसके बाद गांव चिपियाना में भी एक व्यक्ति की रेबीज से मौत की जांच अभी तक चल रही है। राजनगर एक्सटेंशन की कई सोसायटियों में आए दिन कुत्तों के काटने से बच्चे, युवक, महिला और बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं।

चुनाव के दौरान पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए

चुनावों के दौरान पत्रकार अक्सर रैलियों, अभियान कार्यक्रमों और विरोध प्रदर्शनों को कवर करते हैं, जिससे उन पर शारीरिक हमले, उत्पीडऩ और यहां तक कि हिरासत के जोखिम बढ़ जाते हैं। इसके अतिरिक्त, चुनावों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को डिजिटल लक्ष्यीकरण,...

चुनावों के दौरान पत्रकार अक्सर रैलियों, अभियान कार्यक्रमों और विरोध प्रदर्शनों को कवर करते हैं, जिससे उन पर शारीरिक हमले, उत्पीडऩ और यहां तक कि हिरासत के जोखिम बढ़ जाते हैं। इसके अतिरिक्त, चुनावों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को डिजिटल लक्ष्यीकरण, ऑनलाइन दुव्र्यवहार और धमकी का सामना करना पड़ सकता है।

जैसा कि भारत में एक कड़ी प्रतिस्पर्धा वाली चुनावी प्रक्रिया चल रही है, एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ई.जी.आई.) ने चुनावों को कवर करने वाले पत्रकारों की सुरक्षा के संबंध में गंभीर डूबचता को उजागर करने के लिए भारत के चुनाव आयोग (ई.सी.आई.) से संपर्क किया। रिपोर्टें ऐसे उदाहरणों का संकेत देती हैं, जहां पत्रकारों को राजनीतिक अभियानों और रैलियों के दौरान मौखिक उत्पीडऩ, शारीरिक धमकी और कुछ मामलों में सीधे हमले का सामना करना पड़ा है। उस भावना में, ई.जी.आई. ने 13 मई को मुख्य चुनाव आयुक्त (सी.ई.सी.) को एक पत्र लिखा, जिसमें चुनावों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों की सुरक्षा के बारे में आशंका व्यक्त की गई। गिल्ड ने ई.सी.आई. से पत्रकारों की सुरक्षा की गारंटी के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया।

इस मुद्दे के वैश्विक महत्व पर प्रकाश डालते हुए, पिछले साल संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने चुनावों के दौरान पत्रकारों के खिलाफ हमलों में खतरनाक वृद्धि का दस्तावेजीकरण करते हुए एक रिपोर्ट जारी की। जनवरी 2019 और जून 2022 के बीच, यूनेस्को ने 70 देशों में पत्रकारों और मीडिया कर्मियों पर 759 हमले दर्ज किए। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से 42 प्रतिशत हमले कानून प्रवर्तन एजेंटों द्वारा किए गए, जिनमें से 29 प्रतिशत ने स्पष्ट रूप से महिला पत्रकारों को निशाना बनाया।

रिपोर्ट में इस तरह की हिंसा में कानून प्रवर्तन एजेंसियों (एल.ई.ए.) की भागीदारी पर जोर दिया गया है, जिसमें दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में विरोध प्रदर्शनों को कवर करने के दौरान पत्रकारों को हिरासत में लिए जाने की घटनाओं पर भी गौर किया गया। यह सार्वजनिक प्रदर्शनों को कवर करने वाले मीडिया आऊटलैट्स के साथ सकारात्मक संबंधों को बढ़ावा देने, पत्रकारों को कार्यक्रमों तक पहुंच प्रदान करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने, विशेष रूप से महिला पत्रकारों के सामने आने वाले विशिष्ट जोखिमों को संबोधित करने के लिए एल.ई.ए. की आवश्यकता को रेखांकित करता है। यूनेस्को ने दुनिया भर में एल.ई.ए. के लिए दिशानिर्देश प्रस्तावित किए हैं:

1. सार्वजनिक प्रदर्शनों को कवर करने वाले मीडिया आऊटलैट्स के साथ व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देना।
2. आयोजनों तक पहुंच प्रदान करके और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करके पत्रकारों के काम को सुविधाजनक बनाना।
3. लिंग-विशिष्ट जोखिमों पर ध्यान देकर पत्रकारों को हमलों से बचाएं।
4. पत्रकारों को बाधित करने या उन पर दबाव डालने से बचें और उनके उपकरणों का सम्मान करें।
5. सार्वजनिक कार्यक्रमों की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों पर अनावश्यक अधिकार थोपने से बचें।
6. एल.ई.ए. से आसान समर्थन के लिए पहचान योग्य प्रैस क्रेडेंशियल्स को प्रोत्साहित करें।
7. चुनाव के दौरान तटस्थता बनाए रखें और चुनावी प्रबंधन निकायों (ई.एम.बी.) के साथ समन्वय करें।
8. एल.ई.ए. और सार्वजनिक कार्यक्रमों को कवर करने वाले पत्रकारों को प्रासंगिक कानून और सुरक्षा चिंताओं बारे अद्यतन रखते हुए नियमित प्रशिक्षण प्रदान करें।

भारत के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषण चुनावी प्रक्रिया में सुधार के अग्रणी प्रयासों के लिए प्रसिद्ध हैं। अपने कार्यकाल के दौरान शेषण ने भारत में चुनावों की अखंडता और दक्षता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुधार पेश किए। इनमें चुनाव कानूनों को सख्ती से लागू करना, चुनावी कदाचार पर रोक लगाना और मतदाता शिक्षा पर जोर देना शामिल है। नब्बे के दशक की शुरुआत में जब शेषण ने चुनाव आयोग को पुनर्जीवित किया, तो इसकी प्रतिष्ठा बढ़ गई। आज भी, दो दशक से भी अधिक समय बाद, शेषण देश भर में एक व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त व्यक्ति बने हुए हैं, जो चुनावों की निष्पक्ष निगरानी के पर्याय हैं। हालांकि, जबकि शेषण का नाम पूजनीय बना हुआ है, ई.सी.आई. ने अपनी प्रतिष्ठा में गिरावट देखी है। क्या ई.सी.आई. के लिए आत्ममंथन करने और अपनी भूमिका का पुनर्मूल्यांकन करने का समय नहीं आ गया है?

चुनाव आयोग की ताकत पारदर्शिता, राजनीतिक दलों और मीडिया से निपटने में निष्पक्षता और प्रभावशाली हस्तियों को जवाबदेह ठहराने में साहस के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता में निहित है। अपनी कमियों को स्वीकार करने और सुधारने में विफलता केवल इसकी प्रतिष्ठा को और नुकसान पहुंचाएगी। ई.सी.आई. को शेषण के नेतृत्व की भावना को फिर से जगाने, उसके अनुरूप ढलने और जनता की नजरों में अपनी छवि फिर से बनाने की जरूरत है। भारतीय लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए एक स्वतंत्र, निडर और न्यायपूर्ण चुनाव आयोग अपरिहार्य है। जैसे-जैसे भारत सूचना और संचार चैनलों के विस्फोट का अनुभव कर रहा है, वैसे-वैसे सही और गलत के संबंध में मानवीय चेतना के क्षरण के बारे में चिंता बढ़ रही है। प्रचार और फर्जी खबरों के प्रसार ने सार्वजनिक विमर्श के पानी को गंदा कर दिया है, जिससे नागरिकों के लिए कल्पना और सच्चाई में अंतर करना चुनौतीपूर्ण हो गया है।

बढ़ते संदेह और अविश्वास की इस पृष्ठभूमि में, भारतीय शहरों में विभिन्न नागरिक समाज समूहों ने 'ग्रो ए स्पाइन' पोस्टकार्ड अभियान शुरू किया, जिसका उद्देश्य हाल के लोकसभा चुनावों के दौरान चुनाव आयोग की कथित निष्क्रियता को संबोधित करना था। कथित तौर पर महत्वपूर्ण मतदान डाटा को रोकने, घृणास्पद भाषण के उदाहरणों पर आंखें मूंद लेने और चुनावी नियमों को लागू करने में पक्षपात दिखाने के लिए ई.सी.आई. की आलोचनाएं की गईं। अभियान ने बढ़ी हुई जवाबदेही उपायों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जैसे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चुनाव प्रचार को रोकना, उम्मीदवारों के खिलाफ खतरों की जांच और मतगणना प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता। लोकतंत्र तब सबसे अच्छा काम करता है जब शिक्षित आवाजें और मीडिया खुले तौर पर और बिना किसी पूर्वाग्रह के सच्चाई सांझा करते हैं, खासकर ऐसे चुनौतीपूर्ण परिदृश्य में। ऐसा होने के लिए, पत्रकारों को अपना काम करते हुए सुरक्षित महसूस करना चाहिए। इसलिए, बुद्धिजीवियों को राष्ट्रीय जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए स्वयं को संबोधित करना चाहिए।

संक्षेप में, लोकतंत्र एक नैतिक अनिवार्यता है, जो सत्य और अखंडता के सतर्क प्रबंधन की मांग करती है। हम इस महान आदर्श को धोखेबाजों और अवसरवादियों की सनक के आगे समर्पण करने का जोखिम नहीं उठा सकते। अब आत्मसंतुष्टि के उन हाथीदांत स्तम्भों को ध्वस्त करने का समय आ गया है, जिन्होंने सामान्यता और झूठे ईश्वरवादियों को बिना किसी चुनौती के पनपने दिया है। आगे बढऩे के लिए भारत की नैतिक और बौद्धिक गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु एक ठोस प्रयास की आवश्यकता है, जो हमारे लोकतांत्रिक जीवन को बेहतर बना सकता है।

-हरि जयसिंह

टाटा मोटर्स इंडियन मार्केट में पेश करेगी ये 3 नई कारें, लिस्ट में एक ईवी भी शामिल

टाटा कर्व को सबसे पहले इलेक्ट्रिक अवतार में लॉन्च करने की तैयारी है। इसके बाद Curvv का EV वर्जन भी देखने को मिलेगा। Nexon iCNG को टाटा मोटर्स ने इस साल के भारत मोबिलिटी एक्सपो में प्रदर्शित किया था। Hyundai i20 N Line को टक्कर देने किए Tata की ओर से Altroz Racer पेश की जाएगी। आइए इन तीनों के बारे में जान लेते हैं।

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स की ओर से इस साल कई नए मॉडल लॉन्च किए जाने की तैयारी है। एक ओर कंपनी की Nexon Range में सीएनजी-पावर्ड वेरिएंट को शामिल करके विस्तार करने की योजना है, वहीं अल्ट्रोज लाइन-अप में स्पोर्टियर वेरिएंट जुड़ने वाला है। इसके अलावा ऑल न्यू कर्व भी इंडियन मार्केट में एंट्री मारने वाला है। आइए, इन तीनों के बारे में जान लेते हैं।

Tata Nexon CNG

Nexon iCNG को टाटा मोटर्स ने इस साल के भारत मोबिलिटी एक्सपो में प्रदर्शित किया था। Nexon iCNG में स्टैंडर्ड पेट्रोल मॉडल की तरह ही 1.2-लीटर, 3-सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड इंजन का उपयोग किया जाएगा, जबकि एक मैनुअल गियरबॉक्स स्टैंडर्ड होगा। हम उम्मीद करते हैं कि टाटा इसके लिए AMT विकल्प भी पेश करेगा। Nexon iCNG की कीमतें समकक्ष पेट्रोल संस्करण की तुलना में लगभग 1 लाख रुपये अधिक होने की उम्मीद है।

Tata Altroz Racer

Hyundai i20 N Line को टक्कर देने किए Tata की ओर से Altroz Racer पेश की जाएगी। Altroz के Racer वेरिएंट में 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन है। ये पावरट्रेन 120hp की शक्ति प्रदान करता है और इसे 6-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है। फीचर्स की बात करें, तो अल्ट्रॉज रेसर एक नई 10.25 इंच की टचस्क्रीन, सेगमेंट-फर्स्ट वेंटिलेटेड फ्रंट सीट, 360 डिग्री कैमरा, 6 एयरबैग, ईएससी, हेड-अप डिस्प्ले और वॉयस-असिस्टेड सनरूफ से लैस होगी।

Tata Curvv

Tata Curvv को सबसे पहले इलेक्ट्रिक अवतार में लॉन्च करने की तैयारी है। इसके बाद Curvv का EV वर्जन भी देखने को मिलेगा। हाल ही में कर्व का टेस्टिंग म्यूल हैवी कैमोफ्लैग के साथ पुणे की सड़कों पर देखा गया था। डिजाइन प्रोटोटाइप से यह स्पष्ट है कि ये इसका प्रोडक्शन मॉडल अपने कॉन्सेप्ट के लगभग समान होगा। साल 2025 की शुरुआत में इसे पेश किए जाने की उम्मीद है।

2024 मारुति सुजुकी स्विफ्ट CNG आने वाले महीनों में होगी लॉन्च, 1 किलो में चलेगी इतने किलोमीटर

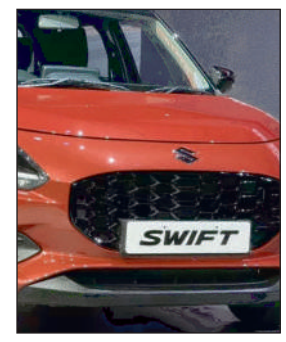

2024 Maruti Suzuki Swift भारत में पहली मारुति सुजुकी कार है जिसे इस नए इंजन के साथ पेश किया गया है। ये पावरट्रेन 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और वैकल्पिक 5-स्पीड AMT के साथ उपलब्ध है। नई स्विफ्ट की कीमत वर्तमान में 6.49 लाख रुपये से 9.64 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है जबकि CNG वेरिएंट इसी पेट्रोल वेरिएंट की तुलना में लगभग 90 हजार से 95 हजार रुपये महंगे होने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। Maruti Suzuki ने हाल ही में 4th Gen Swift को भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। 2024 Maruti Suzuki Swift में नया 1.2-लीटर, 3-सिलेंडर Z12E नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 82hp और 112Nm टॉर्क देता है। स्विफ्ट भारत में पहली मारुति सुजुकी कार है, जिसे इस नए इंजन के साथ पेश किया गया है। ये पावरट्रेन 5-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन और वैकल्पिक 5-स्पीड AMT के साथ उपलब्ध है।

जल्द आएगा CNG वर्जन

अन्य सभी मारुति सुजुकी एरिना कारों की तरह, स्विफ्ट को भी जल्द ही CNG विकल्प मिलेगा, जो इसे नए इंजन वाली पहली CNG आधारित कार भी बनाएगा। CNG मोड में पेट्रोल-CNG पावरट्रेन में थोड़ा कम पावर और टॉर्क आउटपुट होगा और संभवतः यह केवल मैनुअल ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध होगा।

कीमत

नई स्विफ्ट की कीमत वर्तमान में 6.49 लाख रुपये से 9.64 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है, जबकि CNG वेरिएंट इसी पेट्रोल वेरिएंट की तुलना में लगभग 90 हजार से 95 हजार रुपये महंगे होने की उम्मीद है। यह अभी देखा जाना बाकी है कि CNG पावरट्रेन के साथ कौन से वेरिएंट पेश किए जाएंगे।

माइलेज

नई स्विफ्ट में मैनुअल गियरबॉक्स के साथ 24.8 KMPL का माइलेज है, जबकि ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ ये 25.75 KMPL का माइलेज देती है। Swift CNG से 32km/kg से ज्यादा का माइलेज मिलने की उम्मीद है। इंडियन मार्केट में ये सीधे तौर पर Hyundai Grand i10 Nios और Tata Tiago जैसी हैचबैक को टक्कर देगी।

महिंद्रा ने पेश किया स्कॉर्पियो-एन का एडवेंचर एडिशन, जानिए कितना खास

Mahindra Scorpio-N Adventure Edition में किए गए अधिकांश बदलाव इसके बाहरी हिस्से में हैं। स्कॉर्पियो-एन एडवेंचर एडिशन में नए 18-इंच के अलॉय व्हील्स हैं जिनमें बड़े प्रोफाइल वाले ऑल-टेरेन टायर हैं जबकि व्हील आर्च में चौड़े टायरों को समायोजित करने के लिए अतिरिक्त क्लैडिंग दी गई है। महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन एडवेंचर एडिशन में स्टैंडर्ड रूप से 4-व्हील ड्राइव दिया गया है।

नई दिल्ली। Mahindra ने दक्षिण अफ्रीका में Scorpio-N का Adventure Edition पेश किया है। नई महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन एडवेंचर एडिशन दक्षिण अफ्रीका में टॉप-स्पेक Z8 फोर-व्हील ड्राइव वेरिएंट पर आधारित है और इसे कई अपग्रेड के साथ लाया गया है, ताकि यह ऊबड़-खाबड़ इलाकों में भी बेहतर तरीके से चल सके। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

Mahindra Scorpio-N Adventure Edition में किए गए अधिकांश बदलाव इसके बाहरी हिस्से में हैं। इस एसयूवी में आगे और पीछे नए ऑफ-रोड-स्पेक बंपर दिए गए हैं, जो इसके अप्रोच और डिपार्चर एंगल को बेहतर बनाते हैं। नए बंपर छोटे हैं और ऊपर की तरफ लगे हैं। इनमें टो बार, रिकवरी हुक, हाई-लिफ्ट जैकिंग पॉइंट, एक्सेसरी लाइट और एक विंच भी पहले से फिट किए गए हैं।

डिजाइन

स्कॉर्पियो-एन एडवेंचर एडिशन में नए 18-इंच के अलॉय व्हील्स हैं, जिनमें बड़े प्रोफाइल वाले ऑल-टेरेन टायर हैं, जबकि व्हील आर्च में चौड़े टायरों को समायोजित करने के लिए अतिरिक्त क्लैडिंग दी गई है। यूटिलिटी के लिए इसमें रूफ रैक भी है, जो एसयूवी के मजबूत बाहरी हिस्से को पूरा करता है। महिंद्रा साउथ अफ्रीका बाजार में स्कॉर्पियो-एन एडवेंचर एडिशन बेच रही है।

इंजन और परफॉरमेंस

साउथ अफ्रीका में बनी महिंद्रा स्कॉर्पियो-एन बिल्कुल वैसी ही है, जैसी भारत में बिक रही है। भारत में बनी इस एसयूवी को बाजार में केवल डीजल इंजन के साथ बेचा जाता है। इसमें 2.2-लीटर mHawk डीजल इंजन लगा है, जो 172 bhp और 400 Nm का पीक टॉर्क देता है, जिसे केवल 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया है।

स्कॉर्पियो-एन एडवेंचर एडिशन में स्टैंडर्ड रूप से 4-व्हील ड्राइव दिया गया है। इसके अलावा, एसयूवी में नॉर्मल, ग्रास, ग्रेवल, स्नो, मड और सैंड जैसे टेरेन मोड दिए गए हैं। अन्य ऑफ-रोड फीचर्स में मैकेनिकल रियर-लॉकिंग डिफरेंशियल और इलेक्ट्रॉनिक ब्रेक-लॉकिंग डिफरेंशियल के साथ-साथ हिल होल्ड और हिल डिसेंट कंट्रोल शामिल हैं।

2.5 लाख रुपये से कम दाम में आती हैं परफॉरमेंस बाइक, पल्सर NS400Z से अपाचे आरटीआर 310 तक

NS400Z कंपनी की पल्सर मोटरसाइकिल रेंज में सबसे नई बाइक है और यह बेहतरीन कीमत पर उपलब्ध है। KTM 250 Duke एक बेहतरीन हैंडलिंग वाली परफॉरमेंस बाइक है। यह 249-सीसी सिंगल-सिलेंडर मोटर द्वारा संचालित है। TVS Apache RTR 310 एक नेकेड बाइक है लेकिन इसका इंजन ज्यादा पावर और टॉर्क देता है। आरटीआर 310 में 312 सीसी सिंगल-सिलेंडर इंजन है।

नई दिल्ली। डेली कम्यूटिंग के लिए बाइक सबसे बेहरीन विकल्प हैं। इसके अलावा लोग लंबी यात्रा करने के लिए कई बार दोपहिया वाहन का उपयोह करते हैं। अपने इस लेख में हम आपके लिए 5 ऐसी परफॉरमेंस बाइक्स की लिस्ट लेकर आए हैं, जो 2.5 लाख रुपये से कम दाम में आती हैं। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

Bajaj Pulsar NS400Z

NS400Z कंपनी की पल्सर मोटरसाइकिल रेंज में सबसे नई बाइक है और यह बेहतरीन कीमत पर उपलब्ध है। इसमें डोमिनार 400 जैसा ही इंजन और फ्रेम है, लेकिन यह 18 किलोग्राम हल्की है। 174 किलोग्राम वजनी NS400Z परफॉरमेंस के मामले में स्पष्ट रूप से बेहतर है और इसमें ट्रैक्शन कंट्रोल और राइडिंग मोड जैसे इलेक्ट्रॉनिक एड्स का लाभ मिलता है, जो ABS के साथ मिलकर काम करते हैं। आप इसे 1.85 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।

KTM 250 Duke

KTM 250 Duke एक बेहतरीन हैंडलिंग वाली परफॉरमेंस बाइक है। यह 249-सीसी सिंगल-सिलेंडर मोटर द्वारा संचालित है, जो 9250 आरपीएम पर 31 एचपी और 7250 आरपीएम पर 25 एनएम का टॉर्क पैदा करती है।जेन-3 केटीएम 250 ड्यूक में अपडेटेड एर्गोनॉमिक्स, एल्यूमीनियम स्विंगआर्म और क्विकशिफ्टर भी है, जो सभी मिलकर इसे शायद सबसे अच्छी 250 सीसी मोटरसाइकिल बनाते हैं। आप इसे 2.40 लाख रुपये की शुरुआती कीमत पर खरीद सकते हैं।

TVS Apache RTR 310

TVS Apache RTR 310 एक नेकेड बाइक है, लेकिन इसका इंजन ज्यादा पावर और टॉर्क देता है। आरटीआर 310 में 312 सीसी सिंगल-सिलिंडर मोटर है, जो 9700 आरपीएम पर 35.6 एचपी और 6650 आरपीएम पर 28.7 एनएम उत्पन्न करता है। अपाचे आरटीआर 310 में इलेक्ट्रॉनिक विजाइर्ड और सेफ्टी नेट से भरपूर फीचर लोडेड पैकेज है। आप इसे 2.43 लाख रुपये से लेकर 2.63 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत के बीच खरीद सकते हैं।

जीप इंडिया कर रही नई SUV पेश करने की तैयारी, क्रेटा और सेल्टॉस को मिलेगी कड़ी टक्कर

परिवहन विशेष न्यूज

Jeep की ये नई एसयूवी भारतीय बाजार में हुंडई क्रेटा मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा किआ सेल्टोस होंडा एलिवेट स्कोडा कुशाक और वोक्सवैगन ताइगुन जैसी कारों को टक्कर देगी। डिजाइन की बात करें तो हमें उम्मीद है कि नई एसयूवी अपने बॉक्सी स्टांस और सिग्नेचर जीप स्टाइलिंग को बढ़ावा देगी। इसे 15 लाख रुपये से 18 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत सीमा के भीतर लॉन्च करने की उम्मीद है।

नई दिल्ली। अमेरिकी कार निर्माता Jeep की ओर से इंडियन मार्केट में एक नई मिडसाइज एसयूवी पेश किए जाने की तैयारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये 2025 में एंट्री मार सकती है। सिट्रोएन सी3 एयरक्रॉस की तरह यह आगामी एसयूवी स्टेलेंटिस सीएमपी प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी।

Jeep की नई SUV

जीप की ये नई एसयूवी भारतीय बाजार में हुंडई क्रेटा, मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा, किआ सेल्टोस, होंडा एलिवेट, स्कोडा कुशाक और वोक्सवैगन ताइगुन जैसी कारों को टक्कर देगी। आइए, इसके बारे में जान लेते हैं।

जीप इंडिया मिड-साइज एसयूवी सेगमेंट में प्रवेश करने के लिए सिट्रोएन के साथ सहयोग कर सकती है। स्टेलेंटिस प्लेटफॉर्म का उपयोग करके, कंपनी प्रतिस्पर्धी मूल्य पर 5 और 7-सीटिंग कॉन्फिगरेशन में एक विशाल और व्यावहारिक एसयूवी पेश करेगी।

संभावित डिजाइन और इंटीरियर

डिजाइन की बात करें, तो हमें उम्मीद है कि नई एसयूवी अपने बॉक्सी स्टांस और सिग्नेचर जीप स्टाइलिंग को बढ़ावा देगी। संभवतः लोकप्रिय कंपास से कुछ डिजाइन संकेत लेते हुए, जीप एसयूवी में हाई ग्राउंड क्लीयरेंस और कमांडिंग ड्राइविंग पोजिशन होने की संभावना है। केबिन के अंदर आने वाली जीप एसयूवी के सिट्रोएन सी3 एयरक्रॉस की तुलना में फीचर से भरपूर होने की उम्मीद है।

इंजन और परफॉरमेंस

नई एसयूवी संभवतः सिट्रोएन के समकक्ष के समान 1.2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित होगी। 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया ये इंजन 109 बीएचपी की पीक पावर और 205 एनएम का अधिकतम टॉर्क जेनरेट करता है। एसयूवी को मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन विकल्पों के साथ पेश किए जाने की उम्मीद है।

संभावित कीमत

कंपनी से नई एसयूवी को 15 लाख रुपये से 18 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की कीमत सीमा के भीतर लॉन्च करने की उम्मीद है, जो इसे भारत में सबसे सस्ती जीप एसयूवी बना देगा क्योंकि यह Compass से नीचे स्थित होगी।

केंद्र को सुप्रीम कोर्ट से लगा जोर का झटका

योगेंद्र योगी

न्यूज क्लिक के फाउंडर की गिरफ्तारी के अवैध करार देने से यह भी साफ हो गया है कि सरकार विरोधी खबरें लिखने-दिखाने पर राजनीतिक दल सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल दुर्भावनावश नहीं कर सकते। शीर्ष कोर्ट के इस फैसले से निश्चित तौर पर प्रेस की आजादी से एक बड़ा डर समाप्त हो गया है'

देश की शीर्ष अदालत ने दो मामलों में केंद्र सरकार को जोर का झटका धीरे से देते हुए यह जाहिर कर दिया कि कानूनों की मनमानी व्याख्या अपनी सुविधा के हिसाब से नहीं की जा सकती। सुप्रीम कोर्ट के ईडी की गिरफ्तार करने की शक्तियों को सीमित करने के साथ ही दूसरे मामले में एक वरिष्ठ पत्रकार की गिरफ्तारी को अवैध करार देने से केंद्र को यह झटका लगा है। इन दोनों मामलों में दिए गए फैसलों से बेशक केंद्र की भाजपा सरकार को व्यापक राजनीतिक नुकसान नहीं हो, किन्तु इसके दूरगामी परिणाम अवश्यंभावी होंगे। परिणाम यह होगा कि ईडी अब आसानी से किसी के खिलाफ गिरफ्तारी की कार्रवाई नहीं कर सकेगी। इसी तरह पुलिस खिलाफ खबर पर किसी पत्रकार को भी आसानी से गिरफ्तार नहीं कर सकेगी। ईडी की कार्रवाई में कितने कानूनी तथ्य हैं, यह देखने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अधीनस्थ अदालतों को रैफरी की भूमिका दी है। गौरतलब है कि लंबे अर्से से विपक्षी दल केंद्रीय एजेंसियों पर भेदभाव के आरोप लगाते रहे हैं। विपक्षी दलों का आरोप है कि केंद्र सरकार राजनीतिक रंजिशवश इन एजेंसियों को दुरुपयोग कर रही है। एक याचिकाकर्ता ने दिसंबर 2023 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के एक आदेश को चुनौती दी थी। याचिकाकर्ता का सवाल था कि अगर विशेष अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में व्यक्ति विशेष के आरोपों को संज्ञान में ले लिया है, तो क्या तब भी उसे बेल के लिए सेक्शन 45 की दोहरी शर्तों को पूरा करना होगा। इस मामले में दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद धन शोधन निवारण अधिनियम 2002 (पीएमएलए) प्रावधानों के तहत जमानत की कड़ी शर्तों को संतुष्ट करने की जरूरत नहीं है।

अगर आरोपी समन द्वारा विशेष अदालत के समक्ष पेश होता है, तो यह नहीं माना जा सकता कि वह हिरासत में है। अगर अदालती समन के चलते पेश होने के बाद ईडी आरोपी की हिरासत चाहती है, तो उसे विशेष अदालत में आवेदन देना होगा। अदालत केवल उन कारणों के साथ हिरासत देगी, जो संतोषजनक हों और जिनमें हिरासत में लेकर पूछताछ की जरूरत हो। जस्टिस अभय एस. ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। बेंच ने कहा है कि अगर किसी मामले में ईडी ने किसी आरोपी को गिरफ्तार किए बिना चार्जशीट दाखिल की और अदालत ने इस पर संज्ञान लेकर उसे समन किया, तो ऐसे व्यक्ति को पीएमएलए के तहत जमानत के लिए दोहरी शर्तों को पूरा करने की आवश्यकता नहीं है। पीएमएलए को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान 2002-03 में लाया गया था। बाद में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान 1 जुलाई 2005 को इसे लागू किया गया। उस वक्त इस कानून को ब्लैक मनी के फ्लो को रोकने के उद्देश्य से बनाया गया था। पीएमएलए कानून के तहत सबसे पहले झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सीएम मधु कोड़ा के खिलाफ कार्रवाई की गई थी। इसके बाद साल 2010 में 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला, कोयला घोटाला समेत कई बड़े घोटालों में इस कानून के तहत कार्रवाई हुई। फिर साल 2012 में तत्कालीन वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने इसमें संशोधन भी किया था। बीते कुछ सालों में इस एक्ट में और भी कई बदलाव किए गए हैं। ईडी की शक्तियां सीमित करने के साथ केंद्र सरकार को दूसरा झटका लगा न्यूज क्लिक के फाउंडर संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी को लेकर। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद न्यूज क्लिक के फाउंडर प्रबीर पुरकायस्थ को रिहा कर दिया गया।

न्यूजक्लिक फाउंडर पुरकायस्थ को पोर्टल के माध्यम से राष्ट्र-विरोधी प्रचार को बढ़ावा देने के लिए कथित चीनी फंडिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पुरकायस्थ के खिलाफ आरोप लगाया गया कि न्यूजक्लिक को चीन के पक्ष में प्रचार के लिए कथित तौर पर धन मिला था। देश की सबसे बड़ी अदालत ने यूएपीए मामले में उनकी गिरफ्तारी और रिमांड को गलत माना। कोर्ट का यह फैसला अपने आप में एक नजीर है। इसका असर आने वाले दिनों में दूसरे फैसलों पर भी दिख सकता है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले के जरिए किसी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के सामने एक साफ-साफ लकीर खींच दी है। कोर्ट ने साफ कहा कि गिरफ्तारी के वक्त पुलिस को इसका आधार लिखित तौर पर देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 के तहत सबसे अटूट मौलिक अधिकार है। इसे भी किसी तरह नजरअंदाज या अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट की कही इस बात का स्पष्ट संदेश है कि हर नागरिक के लिए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार की अपनी विशेष अहमियत है। इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य कानून के तहत किसी भी शख्स की गिरफ्तारी से पहले अब पुलिस को पहले लिखित में यह बताना जरूरी होगा कि उसकी गिरफ्तारी किस आधार पर की जा रही है। इसके लिए लिखित में भी सूचित करना होगा। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह भी साफ कर दिया है कि किसी भी इनसान के लिए कानूनी कार्रवाई एक जैसी होनी चाहिए और उसे किसी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के ऐसे लिखित आधारों की एक कॉपी गिरफ्तार किए गए शख्स को बिना किसी अपवाद के जल्द से जल्द दी जानी चाहिए। कोर्ट की इस टिप्पणी से यह साफ हो गया कि गिरफ्तार शख्स को हर हाल में जल्द से जल्द गिरफ्तारी के लिखित आधारों की एक कॉपी मिलनी चाहिए, ताकि उसे अपने खिलाफ हो रही कार्रवाई की पूरी जानकारी हो। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई झिझक नहीं है कि लिखित रूप में गिरफ्तारी के लिए रिमांड कॉपी नहीं दी गई, जिसके चलते गिरफ्तारी अवैध है। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने जो कहा, उससे इस बात की रिमांड की कॉपी न मिलने पर गिरफ्तारी को भी अवैध साबित किया जा सकता है। कोर्ट ने मौलिक अधिकार पर अतिक्रमण करने के किसी भी प्रयास को अस्वीकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि इस प्रकार संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 द्वारा ऐसे मौलिक अधिकार का उल्लंघन करने के किसी भी प्रयास से सख्ती से निपटना होगा।

कोर्ट की इस टिप्पणी से भी साफ हो रहा है कि अगर ऐसा होता है तो उसे इनसान के मौलिक अधिकार का हनन माना जाएगा। फैसला लिखते हुए, न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि पुरकायस्थ की गिरफ्तारी, उसके बाद पिछले साल 4 अक्टूबर का रिमांड आदेश और दिल्ली उच्च न्यायालय का 15 अक्टूबर का रिमांड को वैध करने का आदेश, कानून के विपरीत था और इसलिए इसे रद्द कर दिया गया। इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यूएपीए या अन्य अपराधों के आरोप में गिरफ्तार किए गए किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तारी के आधार के बारे में लिखित रूप में सूचित किया जाना मौलिक और वैधानिक अधिकार है। किसी को भी ऐसे ही नहीं उठा सकते। सुप्रीम कोर्ट के इन दोनों आदेशों से स्पष्ट है कि पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां आंख बंद करके कोई कार्रवाई नहीं कर सकेंगी। न्यूज क्लिक के फाउंडर की गिरफ्तारी के अवैध करार देने से यह भी साफ हो गया है कि सरकार विरोधी खबरें लिखने-दिखाने पर राजनीतिक दल सरकारी मशीनरी का इस्तेमाल दुर्भावनावश नहीं कर सकते। शीर्ष कोर्ट के इस फैसले से निश्चित तौर पर प्रेस की आजादी से एक बड़ा डर समाप्त हो गया है।

संपादक की कलम से

सीएम आवास में हिंसा

यह मुख्यमंत्री आवास है या मारपीट, गुंडई का कोई अड्डा..! कुछ अंतराल पहले, मुख्यमंत्री आवास में ही, तत्कालीन मुख्य सचिव के साथ हाथापाई की गई थी। खबरें तो मारपीट की भी आई थीं। मामला अदालत तक पहुंचा। अंततः क्या हुआ, कोई जानकारी नहीं। समय गुजरा, तो उस घटना पर धूल की परतें जम गईं। आखिर आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर और मुख्यमंत्री केजरीवाल के जीवन में क्या घट रहा है कि हालात सुलगते महसूस होते हैं। कोई विधायक अपनी पत्नी पर ही कुत्ता छोड़ देता है! कोई मंत्री राशन कार्ड बनवाने आई महिला के साथ बलात्कार करता है! शराब घोटाले में तो खुद केजरीवाल संलिप्त बताए गए हैं। 'आप' एक बड़े खोल में बेहद विस्फोटक पार्टी लगती है। ताजातरीन मामला पार्टी की ही राज्यसभा सांसद तथा 9 साल तक दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष रहीं स्वाति मालीवाल का है, जिनकी मुख्यमंत्री आवास में ही, पिटाई की गई। जाहिर है कि एक महिला के साथ बदसलूकी की गई, हिंसक व्यवहार भी किया गया, लिहाजा यह आपराधिक हरकत से कम नहीं है। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 4 घंटे से अधिक समय तक संवाद करने के दौरान स्वाति मालीवाल ने खुलासा किया है कि मुख्यमंत्री के निजी स्टाफ ने उन्हें 5-6 थप्पड़ मारे। शरीर के निचले हिस्से पर लात मारी, छाती और पेट पर मुक्के मारे गए। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल उस दौरान घर के भीतर ही मौजूद थे। यदि मुख्यमंत्री आवास में महिला सांसद पर ऐसा हिंसक आक्रमण किया गया है, तो वह सिर्फ निजी सहायक की औकात नहीं हो सकती। क्या स्वाति पर हमला जानबूझ कर कराया गया? क्या मुख्यमंत्री अपने ही सांसद से मुलाकात नहीं करना चाहते थे? क्या केजरीवाल चाहते हैं कि स्वाति सांसदी छोड़ दें, ताकि अभिषेक मनु सिंघवी को सांसदी देकर 'उपकृत' किया जा सके?

यदि मुद्दा यही है, तो स्वाति पर हिंसक व्यवहार करने की जरूरत क्या थी? सबसे महत्वपूर्ण और मानवीय पक्ष यह है कि जिस महिला साथी की मुख्यमंत्री के घर के भीतर तक पहुंच रही है, एनजीओ 'परिवर्तन' के दौर से साथ-साथ काम करते रहे हों और जनवरी, 2024 में ही जिसे राज्यसभा सांसद चुना गया हो, ऐसे साथी पर ऐसा हिंसक आक्रमण करना वाकई हैरान करता है, चौंकाता भी है। स्वाति मालीवाल के बयानों और अढाई पन्नों की लिखित शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। धाराओं 354, 506, 509 और 323 के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने स्वाति का एम्स दिल्ली में मेडिकल भी कराया है। उधर राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी मुख्यमंत्री के निजी सहायक विभव कुमार को तलब किया है। खुद 'आप' के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी इसे विभव कुमार की 'बदसलूकी' करार दिया है। क्या पुलिस विभव को गिरफ्तार करेगी? सवाल यह है कि मुख्यमंत्री आवास में ही ऐसी हिंसक गुंडई क्यों की गई? ऐसी नौबत ही क्यों आई? दरअसल स्वाति मुख्यमंत्री केजरीवाल से मिलने उनके सरकारी आवास गई थीं। जेल से बाहर आने के बाद वह मिल नहीं सकी थी। मुख्यमंत्री आवास के गेट पर सुरक्षा व्यवस्था ने उन्हें रोका था, क्योंकि मुख्यमंत्री के साथ मुलाकात का अधिकृत समय तय नहीं था। फिर भी स्वाति घर के अंदर चली गई और ड्राइंग रूम में जाकर बैठ गई। यह सोमवार 13 मई की बात है। उसके 81 घंटों तक स्वाति खामोश रही। '112' नंबर पर फोन करके उन्होंने हिंसक हमले की जानकारी पुलिस को दी थी, लेकिन उसके बाद सभी पक्ष सोचते ही रहे।

मुख्यमंत्री केजरीवाल लखनऊ गए, तो विभव को साथ ले गए। वहां पत्रकारों ने बार-बार सवाल पूछे, तो वह माइक को अखिलेश यादव या संजय सिंह की ओर सरकाते रहे। एक शब्द तक नहीं बोले। पुलिस को शिकायतनामा देने के बाद स्वाति ने 'एक्स' पर लिखा है-मेरे साथ जो हुआ है, वह बहुत बुरा था। मैंने बयान दर्ज करा दिया है। आशा है कि उचित कार्रवाई होगी। भाजपा से भी गुजारिश है कि वह इस मुद्दे पर राजनीति न करे।''

चर्चा

छलिया कौन?

यूं तो राजनीति में छल, कपट और फरेब की सहज उपस्थिति सदा स्वीकार्य है, फिर भी पार्टियां एक दूसरे के आखेट में दोषारोपण करती हैं। पहली बार हिमाचल की परिस्थिति में 'असली छलिया' को लेकर बहस और विवाद है। यह भी अजूबा अंकगणित है क्योंकि कल के अपने, आज दूसरे के आगोश में हैं। बहुमत के बावजूद और कुल 43 विधायकों के आत्मबल के मैदान पर कांग्रेस से राज्यसभा सीट छीन कर भाजपा छलिया बनी या सत्ता का गुरूर छलनी हो गया। यहां बहस के अनेक बिंदु हर्ष महाजन को छलिया मानते हैं, क्योंकि वह पाला बदलकर भाजपा के चाणक्य बन जाते हैं। छलिया घोषित होने में एक सहजता है, जबकि 'सरगना' साबित करके कांग्रेस अपने पूर्व विधायकों की खिचड़ी में फरेब के बाल चुन रही है। वर्तमान चुनाव की बैसाखियां ही छल से भरी हैं। गगरेट से चैतन्य अगर भाजपा के उम्मीदवार हो गए, तो राकेश कालिया कांग्रेस की नाव पर सवार हो गए। सुजानपुर में भाजपा का छल या कांग्रेस में कैप्टन रणजीत सिंह का कल किस तरह अपनी व्याख्या कर रहा है, यह देखा जाएगा। इसमें दो राय नहीं कि छह उपचुनावों और तीन निर्दलीयों के इस्तीफों पर लोकतंत्र का शीर्षासन यह समझ ही नहीं पा रहा कि उसको छलने वाले हैं कौन। लाहुल-स्पीति में कांग्रेस से छिटक कर भाजपा के घोंसले में आए रवि ठाकुर के सामने भले ही अनुराधा राणा हैं, लेकिन डा. रामलाल मार्कंडेय इस चुनाव के वास्तविक छलिया बने हुए हैं।

धर्मशाला में भाजपा के सुधीर शर्मा के सामने मुख्यमंत्री के खास देवेंद्र जग्गी हैं, लेकिन पाला बदलते-बदलते निर्दलीय हो गए राकेश चौधरी चुनाव को छलने का माध्यम बने हुए हैं। इसीलिए दोनों ही प्रमुख पार्टियां अपने-अपने वजूद को बचाने के लिए निर्दलीयों को समझा रही हैं। रामलाल मार्कंडेय और राकेश चौधरी की हैसियत चुनावों ने छलिया बना दी है और ये दोनों किसी का भी आसन खिसका सकते हैं। वैसे तमाम लोकसभा उपचुनावों की सीटों पर सारे निर्दलीय उम्मीदवार छलिया बने हुए हैं। निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि हिमाचल की राजनीति को अब विनेविलिटी के नाम पर चंद छलिया चाहिएं। ऐसे में कहीं कोई छलिया परिवारवाद से पैदा होगा और कहीं कोई सरकार से पैदा होगा। कोई जातीय आधार पर अपनी ही जाति को ढांपेगा, कोई वर्ग के आधार पर तो कोई आरक्षण के चमत्कार से योद्धा बन जाएगा। जिस प्रदेश में जनता विभ्रम में हो तथा सोशल मीडिया पर भविष्य की चौघराहट हो, वहां नागरिक भी छदम भूमिका में छल ही तो कर रहे हैं। ताज्जुब नहीं कि आज का मतदाता भी छलिया है और प्रदेश का कर्मचारी वर्ग भी यही तो कर रहा है। ये एनपीएस और ओपीएस के बीच आर्थिक हकीकत का छल ही तो है जो सारे चुनाव के महासागर को जीत की गागर में भर लेता है। घाटे की बिजली व्यवस्था में डेढ़ सौ यूनिट मुफ्त की बिजली अगर छल नहीं, तो फिर ऐसी कसौटी पर हम आत्मनिर्भर होंगे कैसे। हम बतौर नागरिक खुद को छल रहे हैं। वर्षों से यह उम्मीद कर रहे हैं कि सरकारी नौकरी से चूल्हा जलेगा, लेकिन रोजगार के चूल्हे से बाहरी प्रदेशों के लोग छल कर रहे या इस नीयती तक पहुंचाने के लिए हमारा राजनीतिक छल अब अविश्वसनीय औजार हो गया। जो भी हो हिमाचल का सारा ढांचा और व्यवस्था के मानक अब केवल चुनाव की परिपाटी में जीत के छल को आसरा देते हैं। न सरकारें वाई एस परमार या शांता कुमार की तरह कडक़ और न ही सत्ता और विपक्ष की जिम्मेदारी में कोई फर्क। अगर चुनाव के प्रचार को गौर से सुनेंगे, तो स्पष्ट हो जाएगा कि हमारे चारों ओर छल की चारदीवारी खड़ी हो रही है।

रमेश पठानिया

बढ़ता साहसिक पर्यटन और सुरक्षा जरूरतें

हवा का रुख और ग्लाइडर को आपात स्थिति में किस तरह नियंत्रण में करना है, इस बात के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। कुल्लू का मौसम अब खुल गया है और पर्यटकों का सैलाब कुल्लू घाटी और हिमाचल के कई पहाड़ी इलाकों की ओर उमड़ रहा है। साहसिक पर्यटन से जुड़े लोगों को इस बात का ध्यान रखना है कि सैलानियों को पैराग्लाइडिंग में आनंद की अनुभूति हो, सुरक्षा के साथ'

हिमाचल प्रदेश देश का वह राज्य है जहां स्कीइंग, पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइम्बिंग, पर्वतारोहण जैसी साहसिक गतिविधियां होती हैं। कुल्लू-मनाली में अधिकतर पैराग्लाइडिंग और रिवर राफ्टिंग होती है। बैजनाथ के पास बीड़-बिलिंग में विश्वस्तर की पैराग्लाइडिंग होती है। पहले डोभी पैराग्लाइडिंग साइट पर एक ऐसा हादसा हुआ जिसे देखकर लगा कि सुरक्षा नियमों की अनदेखी की गई है। इस हादसे में तेलंगाना की एक पर्यटक के हार्नेस खुल जाने से महिला कंक्रीट छत पर आ गिरी और उसकी मृत्यु हो गई। कुल्लू जिला की पर्यटन अधिकारी सुनयना शर्मा ने समय-समय पर सुरक्षा नियमों को लेकर कुल्लू के पैराग्लाइडर ऑपरेटर्स को जवाबतलब किया है। डोभी में हुए इस अप्रिय हादसे के बाद सरकार ने कुछ कड़े कदम उठाए हैं। डोभी पैराग्लाइडिंग साइट को कुछ समय के लिए बंद कर दिया और उस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे के दोषी पैराग्लाइडर पायलट को गिरफ्तार कर लिया गया। हिमाचल के विश्वप्रसिद्ध पैराग्लाइडिंग साइट बीड़-बिलिंग में भी पिछले साल अक्टूबर में निरंतर हादसे हुए थे जिनमें कुछ विदेशी पर्यटकों को जान से हाथ धोना पड़ा था। हादसों का सिलसिला रुका नहीं। 7 अप्रैल 2024 को बीड़ बिलिंग में नोएडा की एक अनुभवी पैराग्लाइडिंग पायलट रितु की क्रैशलैडिंग की दुर्घटना हुई जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उनकी मृत्यु हो गई।

पिछले कई सालों से वह बीड़ -बिलिंग आती थीं। जिला पर्यटन अधिकारी कुल्लू ने कुछ दिन पहले अपनी तकनीकी टीम के साथ कुछ पैराग्लाइडिंग साइट्स का दौरा भी किया। उनके अनुसार, किसी को भी सुरक्षा नियमों से खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। पर्यटन विभाग से मिले आंकड़ों के अनुसार कुल्लू जिले में 9 पैराग्लाइडिंग साइट हैं जिनमें सोलंग, मढ़ी, 14 मोड़, मझाच, कोठी, डोभी, नांगाबाग, गड़सा और पीज शामिल हैं। कुल्लू में 64 पंजीकृत पैराग्लाइडर ऑपरेटर्स हैं। एक पैराग्लाइडर को पंजीकृत करने के लिए 1500 रुपए फीस देनी पड़ती है और उसकी गुणवत्ता और स्तर भी जांचा जाता है। कुल्लू जिले में इन 9 पैराग्लाइडिंग साइट्स के लिए 584 लाइसेंसधारी पायलट्स हैं। निरंतर हो रहे हादसों का कारण सैलानियों की भीड़ का हड़बड़ी में सुरक्षा नियमों को ताक में रख कर उड़ानें भरना, ग्लाइडिंग उपकरणों की सुरक्षा जांच में लापरवाही और पैराग्लाइडिंग पायलेट्स का जरूरत से ज्यादा उड़ान भरना भी हो सकता है। सुरक्षा नियमों का उल्लंघन सैलानियों को आपातकाल की स्थिति में किस तरह खुद को बचाने की कोशिश हिदायतें, पायलट्स का सैलानियों के साथ ठीक से व्यवहार का न होना और हिदायतों में पारदर्शिता का न होना भी हो सकता है। कुल्लू की बात करें तो यहां पर 493 ग्लाइडर्स हैं। अधिकतर देखा गया है कि जल्दबाजी में ऑपरेटर्स अपने पैराग्लाइडिंग गियर का ठीक से निरीक्षण नहीं करते। बहुत से ग्लाइडर्स बिना लाइसेंस के भी उड़ान भरते हैं क्योंकि हर जगह सरकार अपने अधिकारी नहीं भेज सकती। अभी हाल ही में गड़सा पैराग्लाइडिंग साइट पर आपरेटर्स का निरीक्षण किया गया।

पुराने ग्लाइडर्स और कुछ के पास तो लाइसेंस भी नहीं था। इन ऑपरेटर्स के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई और उन पर नियमानुसार जुर्माना भी किया गया। हिमाचल प्रदेश में साहसिक पर्यटन का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, लेकिन जो भी लोग इस व्यवसाय से जुड़े हैं, उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सुरक्षा नियमों का पूरा पालन किया जाए। लाइसेंस धारक पायलेट्स को ही उड़ान भरने की अनुमति दी जाए। पैराग्लाइडिंग गियर का समय-समय पर निरीक्षण होता रहे। उड़ान भरने से पहले यह निश्चित किया जाए कि पैराग्लाइडर उड़ान कर्मी ने किसी तरह का कोई नशा तो नहीं किया है, जिससे उड़ान भरते समय या उतरते समय वह सैलानी को नुक्सान पहुंचा सके। जैसे-जैसे पैराग्लाइडर्स की संख्या बढ़ रही है, आसमान में उड़ानों की संख्या भी बढ़ेगी। हर पैराग्लाइडर की गति और दिशा कई बार पैराग्लाइडर और उसके पायलट पर भी निर्भर करती है। दो पैराग्लाइडर्स अगर आसपास आ रहे हैं तो बचाव कर आमने-सामने भिड़ंत से बचना होगा, एक कुशल पायलट ही यह सब कर सकता है। पैराग्लाइडर के हार्नेस को ठीक से चेक करना, एक अतिरिक्त पैराशूट का प्रबंध रखना। अच्छे हेल्मेट्स का प्रयोग करना। उड़ान भरने से पहले सब कुछ जांच करना। नशे की हालत में उड़ान न भरना। इसमें सैलानी, जो आपके साथ उड़ान भर रहा है, उसका भी किसी नशे की हालत में न होना अनिवार्य है। पैराग्लाइडर कंपनियों या संस्थानों को अपनी संस्था में पायलट रखने से पहले यह जान लेना जरूरी है कि पायलट ने 100 घंटे की फ्लाईंग की है 5 विभिन्न जगहों से, और टेंडम पैराग्लाइडर के लिए 50 टेंडम उड़ानें भरी हैं। यह भी देखना चाहिए कि क्या पायलट के पास वैध लाइसेंस है? पैराग्लाइडिंग कंपनियों को प्रथम उपचार किट की भी व्यवस्था रखनी चाहिए। उड़ान भरने और उड़ान के उतरने के लिए अच्छी जगह का चयन किया जाना चाहिए।

पैराग्लाइडर पायलट्स को तनाव की स्थिति या किसी दबाव में आकर उड़ान नहीं भरनी चाहिए। हवा में जोखिम भरे करतबों से बचना चाहिए। हवा का रुख और ग्लाइडर को आपात स्थिति में किस तरह नियंत्रण में करना है, इस बात के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। कुल्लू का मौसम अब खुल गया है और पर्यटकों का सैलाब कुल्लू घाटी और हिमाचल के कई पहाड़ी इलाकों की ओर उमड़ रहा है। साहसिक पर्यटन से जुड़े लोगों को इस बात का ध्यान रखना है कि सैलानियों को पैराग्लाइडिंग में आनंद की अनुभूति हो, पूरी सुरक्षा के साथ। पर्यटकों से पैराग्लाइडिंग के लिए सरकार द्वारा तय किराया ही लिया जाए, जिसमें हाई फ्लाई के लिए 3500 रुपए और शार्ट फ्लाई के लिए 1300 रुपए हैं। शार्ट फ्लाई सिर्फ सोलंग में ही होती है। हर उड़ान सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए ही भरी जाए।

नेता जी कोपभवन में हैं

जिस हाईकमान से मिलने के लिए नेताजी दिन रात बेचैन रहते थे और दिल्ली दरबार की दौड़ें लगाया करते थे, वही हाईकमान अब नेताजी के हाव भाव को देखकर हक्का-बक्का है। हाईकमान के दूत नेताजी की मान मन्नोवल कर रहे हैं, लेकिन नेताजी टस से मस नहीं हो रहे। जब से हाईकमान ने पार्टी में उनके विरोधी को टिकट दे दिया है, तब से नेताजी कोपभवन में जाकर बैठ गए हैं। कोपभवन में ही उन्होंने बिस्तर लगा लिया है। वही ड्राइंग रूम और डाइनिंग रूम बना लिया है। बाथरूम भी जाना हो तो घर से बाहर नहीं आते। सुबह की सैर को भी उन्होंने तिलांजलि दे दी है। कोपभवन में बैठकर सिर्फ और सिर्फ व्हाट्सएप्प चलाते हैं। इंटरनेट पर अखबारें पढ़ते हैं। लेकिन चैनल वालों को अब बाइट नहीं देते। सीधे-सीधे कोई प्रतिक्रिया नहीं दे रहे। लेकिन पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी का साथ भी नहीं दे रहे। बस, नाराज होकर कोपभवन में बैठ गए हैं। यह भवन उन्होंने अपने सत्ता काल में सरकारी ठेकेदारों से बनवाया था। इस भवन में सरकारी सीमेंट लगा है। सरकारी चूना लगा है। सरकारी सरिया लगा है। सरकारी टाइल लगी है। सरकारी कालीन लगे हैं। सरकारी परदे लगे हैं। सरकारी खाते से जो जो लग सकता था, वह सब लगा है। ठेकेदारों को यह सब लगाने के आदेश थे। वैसे यह सारा सीमेंट, रेता, बजरी, सरिया, पर्दे वगैरह वगैरह सरकारी कॉलेज की बिल्डिंग में लगे थे लेकिन नेताजी के पास मलाईदार डिपार्टमेंट था, इसलिए उनके भवन में लग गए। ठेकेदारों को सरकारी खजाने से समय पर पेमेंट भी हो गई और नेताजी का भवन भी बन गया। यही भवन अब कोपभवन भी बन गया है। अपना कोप वह इस भवन में बैठकर दिखला रहे हैं। हाईकमान का सिंहासन उनके इस कोप से डोल जाएगा, ऐसा वह सोचे बैठे हैं। नेताजी के समर्थक परेशान हैं कि जाएं तो किधर जाएं? पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करें या फिर कोपभवन के बाहर टकटकी लगाकर बैठे रहें। मतदान को बहुत कम दिन रह गए हैं।

जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती जा रही है, वैसे वैसे नेताजी का कोप भी उफान मार रहा है। कहीं नेताजी का यह उफान वोट पडऩे के दिन तूफान में तब्दील न हो जाए, इस बारे हाईकमान भी माथापच्ची कर रहा है। पल-पल की खबर ले रहा है। नेताजी के पास दूतों तक यह संदेश भिजवा दिया गया है कि कोपभवन से समय पर बाहर नहीं आए तो आने वाले दिनों में आपकी संपत्ति की जांच भी हो सकती है। फाइल ईडी तक जा सकती है। राजनीतिक भविष्य भी चौपट हो सकता है। जेल यात्रा भी करनी पड़ सकती है। जमानत के लाले भी पड़ सकते हैं। यानी मान मन्नोवल से काम लेने के साथ-साथ हाईकमान चाणक्य नीति भी अपना रहा है। नेताजी की पत्नी से भी संपर्क साधा गया है। नेताजी के समर्थकों का कहना है कि नेताजी जनता की चाहे एक न सुनें, लेकिन अपनी पत्नी की सारी बातें सुनते हैं। इसलिए अब पत्नी रूपी हथियार को भी आजमाया जा रहा है। कोपभवन के बाहर सादे वस्त्रों में गुप्तचर एजेंसियों के जवान भी लगा दिए गए हैं। फोन अलग से टेप किए जा रहे हैं। नेताजी ने कोपभवन में जाकर सबको चक्कर में डाल दिया है। पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी तो घनचक्कर बन गया है। वह बेचारा कभी ज्योतिषियों के पास जा रहा है तो कभी हाईकमान के पास उक्त नेता की शिकायत कर रहा है।

ज्योतिषी उसे दिलासा दे रहे हैं। हाईकमान उसे डटे रहने को कह रहा है। अधिकृत प्रत्याशी गांव-गांव में घूम रहा है। लेकिन नेताजी कोपभवन में हैं। विरोधी दल के लिए यह कोपभवन आस्था का मंदिर बन गया है। उसे अपनी ग्रह चाल की बजाय इसी कोपभवन पर भरोसा है। लोकतंत्र में कोपभवन भी महत्वपूर्ण भूमिका कभी-कभी अदा कर देता है। यही लोकतंत्र की अदा भी है। कोपभवन में बैठे नेताजी अच्छे अदाकार भी हैं। देखते हैं कोपभवन का सिग्नल इलेक्शन में क्या जलवा दिखाता है?

गुरमीत बेदी

रोजगार पैदा करने के लिए भारत को मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने पर जोर, यह है सरकार का पूरा प्लान

भारत इस समय तकरीबन 50 देशों या देशों के संगठन के साथ मुक्त व्यापार समझौते या दूसरे सुविधा प्राप्त कारोबारी समझौते के लिए बातचीत कर रहा है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भारत को काफी सारे एफटीए करने की जरूरत है। उनका कहना है कि देश की मौजूदा आर्थिक विकास दर 7-8 फीसद को दहाई अंक में ले जाने के लिए एफटीए करना जरूरी हो गया है।

परिवहन विशेष न्यूज

> भारत इस समय तकरीबन 50 देशों या देशों के संगठन के साथ मुक्त व्यापार समझौते या दूसरे सुविधा प्राप्त कारोबारी समझौते के लिए बातचीत कर रहा है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम के मुताबिक, "भारत को काफी सारे एफटीए करने की जरूरत है और साथ ही हमें अपने शुल्कों में भी कौटती करने की जरूरत है क्योंकि कारोबारी जगत में प्रतिस्पर्धा बढ़ने जा रही है। भारतीय कंपनियों को अपनी क्षमताओं पर भरोसा होना चाहिए। उन्होंने कहा, आज दुनिया की 50 शीर्ष बीमा कंपनियों में सिर्फ एक भारत की है जबकि सौ शीर्ष बैंकों में सिर्फ दो भारत के हैं। हमें किसी को भी संरक्षण देने की जरूरत नहीं है। हम जितना ज्यादा विश्व से कारोबार करेंगे उतनी ही ज्यादा निर्यात बढ़ाएंगे और सप्लाई चेन का हिस्सा बनेंगे।"

नई दिल्ली। यह तो यूएई, आस्ट्रेलिया के साथ कारोबारी समझौता करने के साथ ही भारत ने यह संकेत दे दिया था कि सात-आठ वर्ष पहले तक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से हिचकने की मानसिकता बदल चुकी है। लेकिन जून, 2024 के बाद सत्ता में आने वाली आगामी सरकार के लिए यह बहुत बड़ा अभियान बनने वाली है।

इस बात का संकेत उद्योग चैंबर सीआईआई के पिछले दो दिनों तक चले वार्षिक सम्मेलन में नीति आयोग, विदेश मंत्रालय और उद्योग व अंतरराष्ट्रीय कारोबार मंत्रालय के अधिकारियों ने दिए हैं। सीआईआई के इस सम्मेलन में चले विभिन्न सत्रों में हुए विमर्श का लब्बो लुआब यह है कि भारत में बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करने और देश की मौजूदा आर्थिक विकास दर 7-8 फीसद को दहाई अंक में ले जाने के लिए मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देना जरूरी है और मैन्युफैक्चरिंग में दूसरे देशों की कंपनियों को बुलाने के लिए उनके साथ कारोबारी समझौते का रास्ता सही रहेगा। इन समझौतों में भारत को भी अपने बाजार दूसरे देशों के लिए खोलने होंगे।

भारत इस समय तकरीबन 50 देशों या देशों के संगठन के साथ मुक्त व्यापार समझौते या दूसरे सुविधा प्राप्त कारोबारी समझौते के लिए बातचीत कर रहा है। नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम के मुताबिक, "भारत को काफी सारे एफटीए करने की जरूरत है और साथ ही हमें अपने शुल्कों में भी कौटती करने की जरूरत है क्योंकि कारोबारी जगत में प्रतिस्पर्धा बढ़ने जा रही है। भारतीय कंपनियों को अपनी क्षमताओं पर भरोसा होना चाहिए।

उन्होंने कहा, आज दुनिया की 50 शीर्ष बीमा कंपनियों में सिर्फ एक भारत की है जबकि सौ शीर्ष बैंकों में सिर्फ दो भारत के हैं। हमें किसी को भी संरक्षण देने की जरूरत नहीं है। हम जितना ज्यादा विश्व से कारोबार करेंगे उतनी ही ज्यादा निर्यात बढ़ाएंगे और सप्लाई चेन का हिस्सा बनेंगे।"

इसी तर्ज पर देश के उद्योग व अंतरराष्ट्रीय कारोबार विभाग के सचिर राजेश कुमार सिंह कहते हैं कि, "अभी भारत में विदेशी निवेश नीति को और उदार बनाने की जरूरत है। नई सरकार के आने के बाद इस बारे में कदम उठाया जाएगा।"

भारत सरकार के प्रमुख आर्थिक सलाहकार डॉ. वी अनंथ नागेश्वरन का कहना है कि "आर्थिक विकास दर की रफ्तार और तेज करने के लिए मैन्युफैक्चरिंग को ज्यादा बढ़ावा देना होगा। भारत की इकोनमी में मैन्युफैक्चरिंग की हिस्सेदारी बढाने से ही रोजगार के ज्यादा अवसर बढ़ेंगे। हम दुनिया की दसवीं बड़ी इकोनमी से आगे बढ़ कर पांचवी सबसे बड़ी इकोनमी बन चुके हैं। अब भारत में जीवन स्तर को सुधारने और विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा शुरू करनी है और इसके लिए दूसरे देशों की इकोनॉमी के साथ ज्यादा जुड़ाव करना होगा। वैश्विक वैल्यू चेन में अपनी ज्यादा जगह बनानी होगी।"

वह संकेत देते हैं कि आने वाले दिनों में भारत वैश्विक सप्लाई चेन का और ज्यादा अहम हिस्सा बनेगा। उक्त अधिकारियों की सोच सरकार की पिछले पांच वर्षों की सोच को ही आगे बढ़ाने वाली है।

पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने यूएई, आस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों के संगठन ईएफटीए के साथ कारोबारी समझौते को अंतिम रूप दिया है। इसके अलावा यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, पेरू, खाड़ी देशों के संगठन, अमेरिका, रूस जैसे देशों के साथ कारोबारी समझौते को लेकर वार्ता जारी किये हुए है। इसमें यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और पेरू के साथ वार्ता काफी आगे बढ़ चुकी है।

सरकारी सूत्रों का कहना है कि आगामी सरकार के लिए उक्त देशों के साथ व्यापार समझौतों को अंतिम रूप देना वरीयता होगा। पूर्व में एफटीए (जापान, आसियान या दक्षिण कोरिया) से भारत को खास फायदा नहीं हुआ है इसके बावजूद भारत अब इसे ज्यादा जरूरी मान रहा है। वजह यह है कि इसके बगैर वैश्विक सप्लाई चेन का एक विश्वस्त हिस्सा बनना मुश्किल है।

प्रतिद्वंदी देश चीन लगातार एफटीए कर रहा है। दूसरा भारत में दूसरे देश की कंपनियों को निवेश के लिए लुभाने के लिए यह बेहतर रास्ता है क्योंकि भारत के पास सस्ता श्रम भी है और बड़ा बाजार भी है। भारत सरकार यह भी मानती है कि एफटीए से अंदरूनी तौर पर रोजगार के अवसर ज्यादा बढ़ाए जा सकते हैं क्योंकि यह निर्यात को भी बढ़ावा देता है।

विशेष कारोबारी सत्र में चढ़ा बाजार, यहां जानिए क्या रहा मार्केट का हाल

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय शेयर बाजार शनिवार यानी 18 मई को एक विशेष व्यापारिक सत्र के लिए खुला। इस सत्र में कारोबार चढ़ा। जहां शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला BSE सेंसेक्स 158 .01 अंक चढ़कर 74075 .04 पर पहुंच गया। वहीं NSE निफ्टी 53 .75 अंक बढ़कर 22519 .85 पर पहुंच गया। शुक्रवार को बीएसई बेंचमार्क 253 .31 अंक या 0 .34 प्रतिशत चढ़कर 73917 .03 पर बंद हुआ।

मुम्बई। ताजा विदेशी फंड प्रवाह के बीच इक्विटी बेंचमार्क सूचकांकों ने शनिवार को विशेष कारोबारी सत्र को मजबूती के साथ बंद किया, जिससे उनकी रैली लगातार तीसरे दिन तक जारी रही। 30 शेयरों वाला BSE सेंसेक्स 88.91 अंक या 0.12 प्रतिशत चढ़कर 74,005.94 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान यह 245.73 अंक या 0.33 प्रतिशत उछलकर 74,162.76 पर पहुंच गया। वहीं NSE निफ्टी 35.90 अंक या 0.16 प्रतिशत बढ़कर 22,502 पर पहुंच गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बीएसई ने 7 मई को कहा कि वे प्राथमिक साइट पर प्रमुख व्यवधानों या विफलताओं से निपटने के लिए अपनी तैयारियों की जांच करने के लिए 18 मई को इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट में एक विशेष ट्रेडिंग सत्र आयोजित करेंगे।

विशेष लाइव ट्रेडिंग सत्र में प्राथमिक साइट (PR) से डिजास्टर रिकवरी (DR) साइट पर एक इंट्रा-डे स्विचओवर होगा।

शनिवार को चढ़ा कारोबार

मेहता इक्विटीज लिमिटेड के सीनियर वीपी (रिसर्च) प्रशांत तापसे ने कहा कि यह सकारात्मक भावना भारतीय बाजारों तक फैली हुई है, जहां निफ्टी 22,000-22,500 के बीच कारोबार कर रहा है। इसे 22,500 पर प्रतिरोध और 22,000 पर समर्थन का सामना करना पड़ रहा है।

विदेशी संस्थागत निवेशक (FII) कई दिनों की निरंतर निकासी के बाद शुक्रवार को खरीदार बन गए। एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, उन्होंने शुक्रवार को 1,616.79 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

वित्तीय सेवाएं जियोजित के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि 40,000 से ऊपर रिकॉर्ड क्षेत्र में बंद होने वाला डॉव जोन्स इक्विटी बाजारों के लिए वैश्विक समर्थन प्रदान करता रहेगा। अब एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति यह है कि एफआईआई कल खरीदार बन गए हैं और इससे बाजार पर दबाव कम हो गया है।।

2 मार्च को हुआ था पिछला विशेष सत्र

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.85 प्रतिशत चढ़कर 83.98 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शुक्रवार को बीएसई बेंचमार्क 253.31 अंक या 0.34 प्रतिशत चढ़कर 73,917.03 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 62.25 अंक या 0.28 प्रतिशत बढ़कर 22,466.10 पर पहुंच गया।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने 7 मई को कहा कि वह प्राथमिक साइट पर बड़े व्यवधान या विफलता से निपटने के लिए अपनी तैयारियों की जांच करने के लिए 18 मई को इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट में एक विशेष ट्रेडिंग सत्र आयोजित करेगा।

विशेष लाइव ट्रेडिंग सत्र में प्राथमिक साइट (पीआर) से डिजास्टर रिकवरी (डीआर) साइट पर एक इंट्रा-डे स्विचओवर होगा। एक सर्कुलर में, एक्सचेंज ने कहा कि दो सत्र होंगे - पहला पीआर से सुबह 9:15 बजे से 10 बजे तक, और दूसरा डीआर साइट से सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक।

इससे पहले 2 मार्च (शनिवार) को बीएसई और एनएसई ने इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट में एक विशेष ट्रेडिंग सत्र आयोजित किया था।

शेयर बाजार में पैसे लगाते समय इन बातों का रखें ख्याल, कंगाल कर देंगी ये गलतियां

परिवहन विशेष न्यूज

पिछले कुछ वर्षों में शेयर बाजार ने शानदार रिटर्न दिया है। यही वजह है कि स्टॉक मार्केट में पैसा लगाने वालों की तादाद तेजी से बढ़ रही है। यह 8 करोड़ के पार पहुंच गई है। अब बहुत से नए निवेशक भी मार्केट में आ रहे हैं जिनमें अधिकतर नौजवान हैं। ऐसे में नए निवेशकों के लिए मार्केट से जुड़े जोखिम को समझना जरूरी है ताकि उनका नुकसान ना हो।

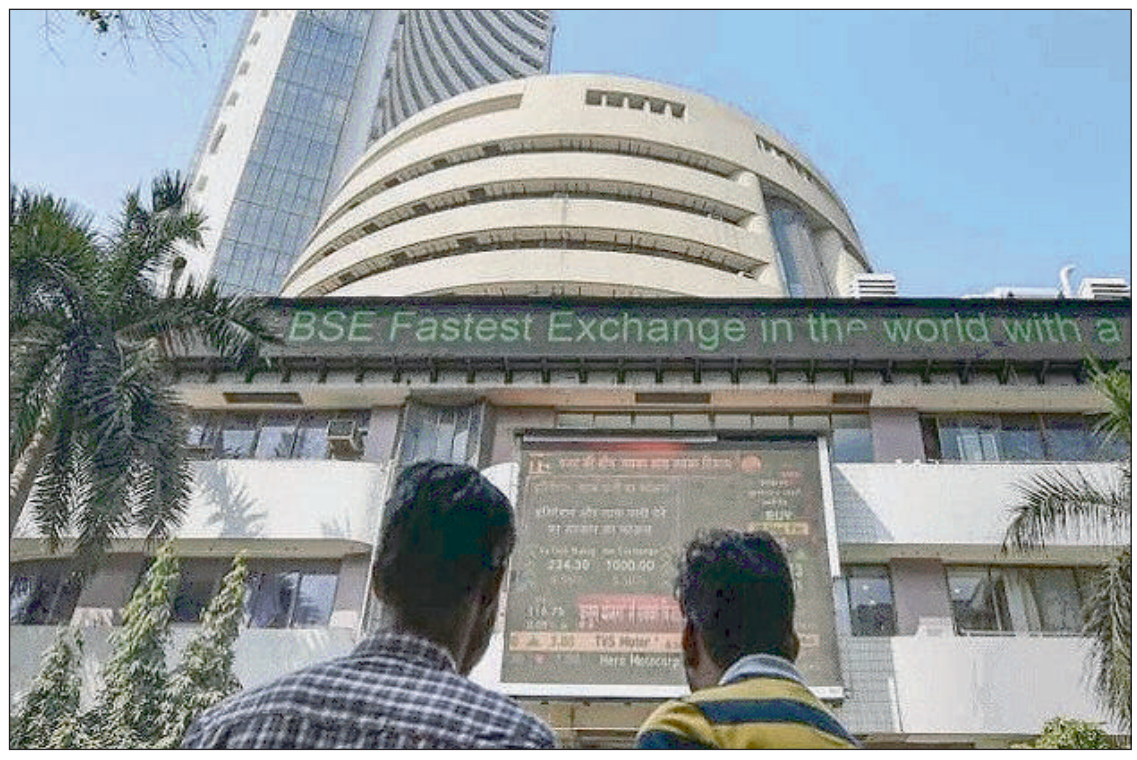

नई दिल्ली। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय शेयर बाजार ने शानदार रिटर्न दिया है। यही वजह है कि स्टॉक मार्केट में पैसा लगाने वालों की तादाद तेजी से बढ़ रही है और यह 8 करोड़ के पार पहुंच गई है। अब बहुत से नए निवेशक भी मार्केट में आ रहे हैं, जो बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से हैं। इनमें अधिक संख्या नौजवानों की है। नए निवेशकों के लिए मार्केट से जुड़े जोखिम को समझना जरूरी है, क्योंकि अगर उन्हें नुकसान हुआ, तो वे इस धारणा को बढ़ाएंगे कि शेयर बाजार असल में जुआ है। आइए जानते हैं कि शेयर मार्केट में आप किन बातों का ध्यान रखकर नुकसान से बच सकते हैं। साथ ही, कैसे आप शेयर मार्केट से अधिक से अधिक लाभ कमा सकते हैं।

लालच से बचना जरूरी

शेयर मार्केट में आने वाले अधिकतर लोग रातोंरात अमीर बनने का सपना लेकर आते हैं। यही सपना उन्हें कंगाल बना देता है। जेरोधा के फाउंडर नितिन कामत का कहना है कि सिर्फ एक फीसदी रिटेल इन्वेस्टर को मुनाफा होता है, बाकी सब घाटे में रहते हैं। इसकी वजह है कि वे जल्दी पैसा कमाने के चक्कर में फ्यूचर एंड ऑप्शन (F&O) जैसे बेहद जोखिम भरे सेगमेंट ट्रेडिंग करने लगते हैं।

लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट पर फोकस

अगर आपको शेयर मार्केट से पैसे कमाना है, तो शुरुआत लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट से करनी चाहिए। यह शेयर बाजार से पैसे कमाने का सबसे सुरक्षित तरीका है। अगर आप सही से स्टॉक चुनकर पैसा लगाते हैं, तो इस बात की काफी ज्यादा उम्मीद रहती है कि आप आखिर में मुनाफे में रहेंगे। किसी भी अच्छे शेयर में अगर गिरावट भी आती है, तो वह एक साइकल के बाद बाउंस बैक करता है।

खबरों से लगातार रहें अपडेट

शेयर मार्केट सभी मुद्दे को लेकर काफी संवेदनशील होता है। यह दुनिया के किसी भी कोने में लड़ाई छिड़ने, तेल या सोने की कीमतों में उछाल और सियासी उठा-पटक पर काफी तेजी से प्रतिक्रिया देता है। अगर कंपनी किसी कानूनी मसले में फंसती है, तो उसके शेयर में तेज गिरावट आती है। इसी तरह अगर कंपनी को बड़ा ऑर्डर मिलता है, या उसके नतीजे काफी अच्छे रहते हैं, तो उसमें जोरदार उछाल भी दिखता है।

पोर्टफोलियो में विविधता रखें

आपको हमेशा अपने पोर्टफोलियो में विविधता रखनी चाहिए। इसका मतलब कि कभी किसी एक ही कंपनी के शेयरों में सारे पैसे नहीं लगाने चाहिए। अगर आपके पास 1 लाख रुपये हैं, तो उन्हें चार अलग-अलग कंपनियों में निवेश करें। जैसे कि किसी कंपनी पर आपको ज्यादा भरोसा है, तो उसमें 40 हजार रुपये का निवेश कर दीजिए। बाकी तीन कंपनियों में 20-20 हजार रुपये लगा दीजिए।

इस शेयर में फंसा 5.7 लाख निवेशकों का पैसा, लगातार लग रहा लोअर सर्किट; ट्रेडिंग बंद होने का भी खतरा

परिवहन विशेष न्यूज

डिजिटल मार्केटिंग सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली कंपनी ब्राइटकॉम ग्रुप के शेयरों ने अपने करीब एक दशक के सफर में बड़ा उतार-चढ़ाव देखा। लेकिन अब कंपनी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। इसके शेयर अब कौड़ियों के भाव बिक रहे हैं और उन्हें कोई खरीदने वाला भी नहीं मिल रहा। ब्राइटकॉम में करीब 6 लाख निवेशकों के पैसे फंसे हैं।

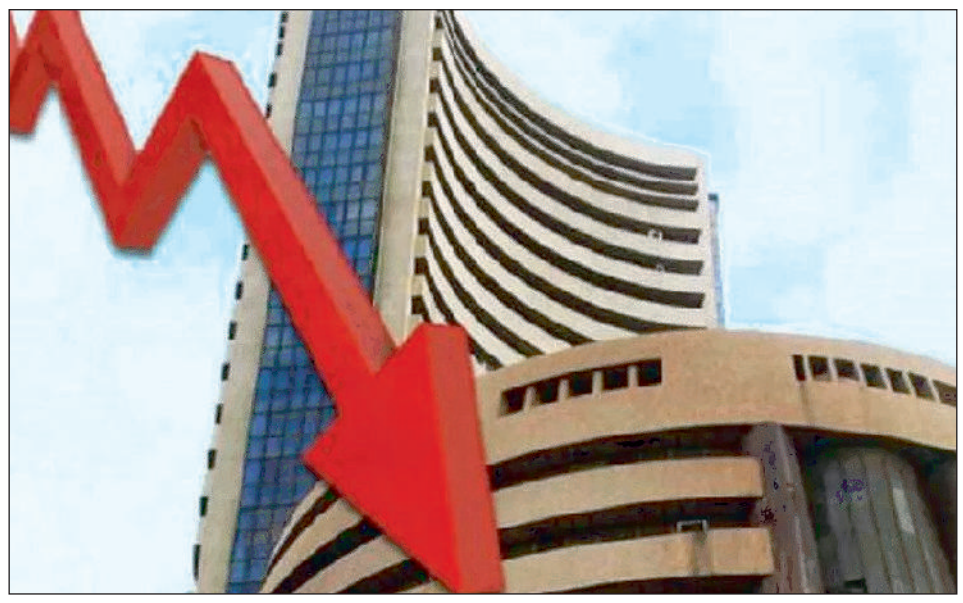

> *सेबी के आदेश के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) ने ब्राइटकॉम के शेयरों की ट्रेडिंग को 14 जून से सस्पेंड करने का फैसला किया है। हालांकि, अगर ब्राइटकॉम ग्रुप सेबी के नियमों पर खरा उतरा है, तो उसके शेयरों की ट्रेडिंग फिर से शुरू हो जाएगी। ब्राइटकॉम ग्रुप के प्रमोटरों के पास 18.38 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, 81.62 फीसदी हिस्सेदारी पब्लिक के पास है। इनमें 5.7 लाख रिटेल इनवेस्टर हैं, जिन्होंने 37.89 फीसदी हिस्सेदारी होल्ड कर रखी है। अमेरिका की दिग्गज इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी वैनगार्ड ग्रुप का भी इसमें स्टेक है। ब्राइटकॉम ग्रुप में दिग्गज निवेशक शंकर शर्मा की 1.14 फीसदी और सुब्रतो साहा की 2.02 फीसदी हिस्सेदारी है।*

नई दिल्ली। डिजिटल मार्केटिंग सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली कंपनी ब्राइटकॉम ग्रुप (Brightcom Group) के शेयरों ने अपने करीब एक दशक के सफर में बड़ा उतार-चढ़ाव देखा। लेकिन, अब कंपनी अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही है। इसके शेयर अब कौड़ियों के भाव बिक रहे हैं और उन्हें कोई खरीदने वाला भी नहीं मिल रहा।

क्या है ब्राइटकॉम ग्रुप के शेयरों का भाव

ब्राइटकॉम स्टॉक मार्केट में मई 2015 में करीब 13 रुपये के भाव पर आया। अगले छह साल तक इसके शेयरों में लगातार गिरावट ही आई और यह 1 रुपये के स्तर पर भी आ गया। लेकिन, मई 2021 से इसके अच्छे दिन आए और उसी साल के आखिर में इसने 117 रुपये का अपना ऑल टाइम भी बना दिया। वहां से फिर ब्राइटकॉम का डाउनफॉल आया और वह इससे कभी उबर नहीं पाया। फिलहाल, इसके स्टॉक का भाव 10 रुपये के आसपास है और इसमें लगातार गिरावट देखी जा रही है। ब्राइटकॉम में करीब 6 लाख निवेशकों के पैसे फंसे हैं और वे इस दलदल से निकलने की कोशिश में लगे हैं।

ब्राइटकॉम के साथ गड़बड़ी क्या हुई?

ब्राइटकॉम ग्रुप ने अपने हिसाब-किताब में लगातार खेल किया। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने अपनी जांच में पाया कि कंपनी ने 2014-15 से 5 साल तक अपने खर्चों को कम और मुनाफे को ज्यादा बताया। इसी के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी का दौर शुरू हुआ था। सेबी ने कंपनी के सितंबर और दिसंबर तिमाही के नतीजों पर भी सवाल खड़ा किया है। कंपनी ने कुल 1,280 करोड़ रुपये की जानकारी छिपाई।

सेबी के आदेश के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) ने ब्राइटकॉम के शेयरों की ट्रेडिंग को 14 जून से सस्पेंड करने का फैसला किया है। हालांकि, अगर ब्राइटकॉम ग्रुप सेबी के नियमों पर खरा उतरा है, तो उसके शेयरों की ट्रेडिंग फिर से शुरू हो जाएगी।

ब्राइटकॉम में किसकी कितनी हिस्सेदारी?

ब्राइटकॉम ग्रुप के प्रमोटरों के पास 18.38 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं, 81.62 फीसदी हिस्सेदारी पब्लिक के पास है। इनमें 5.7 लाख रिटेल इनवेस्टर हैं, जिन्होंने 37.89 फीसदी हिस्सेदारी होल्ड कर रखी है। अमेरिका की दिग्गज इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट कंपनी वैनगार्ड ग्रुप का भी इसमें स्टेक है। ब्राइटकॉम ग्रुप में दिग्गज निवेशक शंकर शर्मा की 1.14 फीसदी और सुब्रतो साहा की 2.02 फीसदी हिस्सेदारी है।

क्या बच सकती है ब्राइटकॉम?

अगर ब्राइटकॉम ग्रुप को अपने शेयरों को सस्पेंशन से बचाना है, तो उसे 11 जून, 2024 तक पिछले वित्त वर्ष की दूसरी यानी जुलाई-सितंबर और तीसरी तिमाही यानी अक्टूबर-दिसंबर के तिमाही नतीजे घोषित करने होंगे। इसी आधार पर सेबी और स्टॉक एक्सचेंज फैसला लेंगे कि ट्रेडिंग जारी रहेगी या नहीं।

ब्राइटकॉम ग्रुप ने स्टॉक एक्सचेंज को बताया कि वह निर्धारित समयसीमा के भीतर नतीजे घोषित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए उसकी पूरी टीम लगन से काम कर रही है। कंपनी ने कहा कि उसे भरोसा है कि उसके स्टॉक्स को सस्पेंड नहीं किया जाएगा और एनएसई और बीएसई पर दोनों की ट्रेडिंग जारी रहेगी।

शेयर बाजार के एक्सपर्ट भी ब्राइटकॉम ग्रुप के शेयरों से बाहर निकलने की सलाह दे रहे हैं। उनका कहना है कि इसके स्टॉक का चार्ट प्रदर्शन काफी कमजोर है और यह गिरकर 7 रुपये के लेवल तक भी आ सकता है।

सावधान रहें! अभी अगले पांच दिन तक पड़ेगी प्रचंड गर्मी, देश के कई हिस्सों में पारा 47 पार

परिवहन विशेष न्यूज

सावधान प्रचंड गर्मी के चलते स्वास्थ्य के प्रति बेहद सजग रहें। अभी अगले पांच दिन उत्तर-पश्चिम भारत में भीषण गर्मी जारी रहने का अनुमान है। दिल्ली हरियाणा पंजाब राजस्थान व उत्तर प्रदेश में इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ने की आशंका है। शनिवार को भी उत्तर भारत के कई इलाके प्रचंड गर्मी की चपेट में रहे। लू के थपेड़ों से लोग परेशान रहे।

नई दिल्ली। सावधान, प्रचंड गर्मी के चलते स्वास्थ्य के प्रति बेहद सजग रहें। अभी अगले पांच दिन उत्तर-पश्चिम भारत में भीषण गर्मी जारी रहने का अनुमान है। दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान व उत्तर प्रदेश में इसका सबसे अधिक प्रभाव पड़ने की आशंका है। शनिवार को भी उत्तर भारत के कई इलाके प्रचंड गर्मी की चपेट में रहे। लू के थपेड़ों से लोग परेशान रहे। चूरू में तापमान 47 डिग्री पर पहुंच गया। एक रोज पूर्व तो पश्चिमी दिल्ली के नजफगढ़ में तो तापमान 47.4 डिग्री पर पहुंच गया था जोकि इस साल अब तक सर्वाधिक तापमान रहा। यही नहीं, हरियाणा के सिरसा में भी तापमान 47 डिग्री को पार कर गया था।

आईएमडी ने इस संबंध में चेतावनी भी जारी की

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस संबंध में चेतावनी भी जारी की है। उसने अगले पांच दिन उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में भीषण गर्मी पड़ने और अगले तीन दिन पूर्वी व मध्य क्षेत्रों में लू चलने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और पश्चिम राजस्थान के लिए रेड अलर्ट भी जारी किया है। इसमें स्वास्थ्य के लिहाज से संवेदनशील लोगों के लिए अत्यधिक देखभाल की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

संवेदनशील लोगों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की सलाह

आईएमडी ने पूर्वी राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए आरेंज अलर्ट जारी कर शिशुओं, बुजुर्गों व पुरानी बीमारियों से ग्रस्त लोगों समेत संवेदनशील लोगों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने को कहा है। मौसम कार्यालय ने कहा कि उच्च आर्द्रता गोवा और उप-हिमालयी बंगाल में लोगों को और परेशानी में डाल सकती है। आइएमडी ने यह भी कहा कि अगले दो-तीन दिनों में उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिमी राजस्थान में रातें और गर्म होने की संभावना है। रात का उच्च तापमान खतरनाक माना जाता है क्योंकि इससे शरीर को ठंडा होने का मौका नहीं मिलता है।

राजस्थान के बाड़मेर-जैसलमेर में तापमान 46 डिग्री पार

उधर, शनिवार को राजस्थान के बाड़मेर, जैसलमेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, चूरू और फलौदी जिलों में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस या इससे अधिक दर्ज किया गया है। जयपुर में तापमान 44 डिग्री पार पहुंच गया। पंजाब में लुधियाना लगातार दूसरे दिन भी सबसे गर्म रहा। यहां तापमान 46.1 डिग्री रहा, जो कि सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस अधिक था।

मानव-जनित जलवायु परिवर्तन ने गर्मी को बढ़ाया

भारत में आम चुनावों के मद्देनजर

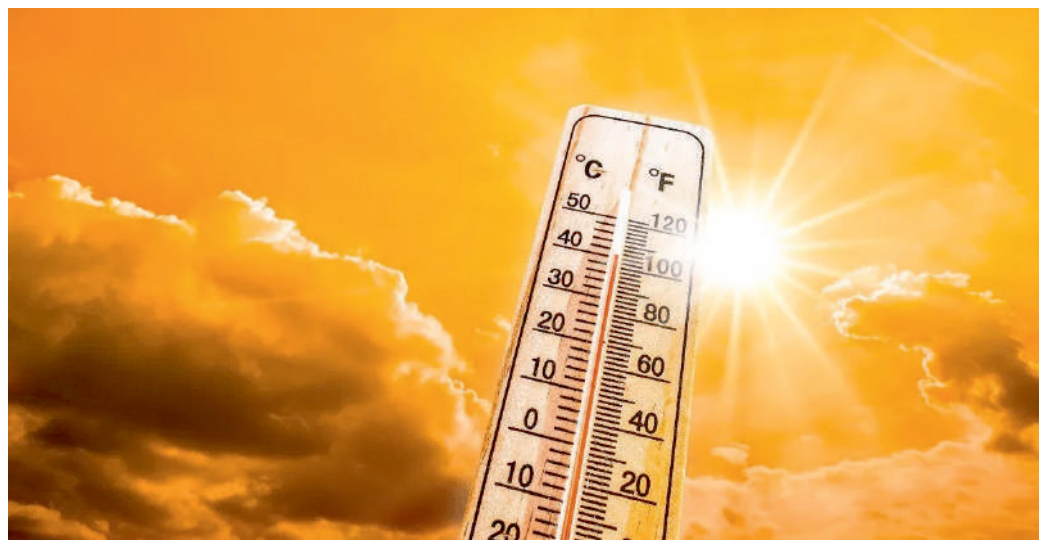

विशेषज्ञों ने लंबे समय तक धूप में रहने वाले या भारी काम करने वाले लोगों में गर्मी से संबंधित बीमारियां बढ़ने की चेतावनी दी है। अमेरिका स्थित जलवायु वैज्ञानिकों के समूह 'क्लाइमेट सेंट्रल' ने कहा है कि भारत में 54 करोड़ 30 लाख लोगों को 18 से 21 मई के दौरान कम से कम एक दिन अत्यधिक गर्मी महसूस होगी। क्लाइमेट सेंट्रल में विज्ञान विभाग के उपाध्यक्ष एंड्रयू पर्सिंग ने कहा कि मानव-जनित जलवायु परिवर्तन ने इस भीषण गर्मी को और अधिक विकराल बना दिया है। रात का उच्च तापमान हालात को और खतरनाक बना देता है। गर्मी की लहरें जानलेवा हो सकती हैं, खासकर बुजुर्गों और बच्चों को गर्मी से थकावट और लू लगने का खतरा रहता है।

20 साल में लू से गई 1.66 लाख से अधिक लोगों की जान

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 1998 से 2017 के बीच लू के चलते 1.66 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। अत्यधिक तापमान अर्थव्यवस्था पर भी असर डाल सकता है। गर्म मौसम के दौरान लोग कम उत्पादक होते हैं, भले ही वे घर के अंदर काम करते हों। 2022 के एक अध्ययन में कहा गया है कि अत्यधिक गर्मी के कारण 2017 में श्रम उत्पादकता में 2.10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर की हानि हुई।

दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने की संभावना

राहत की कुछ बात ये है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के रविवार के आसपास दक्षिण अंडमान सागर, दक्षिणपूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और निकोबार द्वीप समूह में आगे बढ़ने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के 31 मई के आसपास केरल के तट पर पहुंचने की संभावना है। यानी मई के आखिरी दिन केरल में मानसून की पहली बारिश होने के आसार हैं।

आंध्र प्रदेश में भीषण सड़क हादसे में उजड़ गया परिवार, दूल्हा समेत छह लोगों की मौत

परिवहन विशेष न्यूज

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया और इस दुर्घटना में दूल्हे समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि अनंतपुर के सात लोग एक कार में शादी की खरीदारी के लिए हैदराबाद गए थे और जब वह खरीददारी करके घर लौट रहे थे तब अनंतपुर में गूटी के पास बाचुपल्ली में उनके साथ दुर्घटना हो हुई।

अनंतपुर। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में शनिवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया और इस दुर्घटना में दूल्हे समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि अनंतपुर के सात लोग एक कार में शादी की खरीदारी के लिए हैदराबाद गए थे और जब वह खरीददारी करके घर लौट रहे थे तब अनंतपुर में गूटी के पास बाचुपल्ली में उनके साथ दुर्घटना हो हुई।

गुंतकल्लू के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी शिव भाकर रेड्डी ने कहा कि कार के चालक को झपकी आ गई जिसके कारण कार डिवाइडर पर चढ़ गई और फिर विपरीत सड़क पर जाकर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। मृतकों में दो नाबालिग बच्चे, दूल्हा फिरोज़ बाशा (30) सहित समान संख्या में महिलाएँ और पुरुष शामिल हैं।

सभी मृतक एक परिवार के थे। अधिकारी ने बताया कि कार चलाने वाला व्यक्ति बच गया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।

देश का बिकाश केलिए सता बदलना जरूरी : सचिन

परिवहन विशेष न्यूज

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड

उडीशा भुबनेश्वर : आज कोंग्रेस नेता सचिन पाइलट ओड़िशा की दौरा किया। बीजेपी दस साल से केंद्र की सत्ता में है। पहले की तरह देश में कोई आशाजनक विकास नहीं हुआ। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने बाल्टीमोर शहर के मिशन क्षेत्र में आयोजित कांग्रेस की आम बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही ।श्री पायलट ने शनिवार दोपहर मिशन ग्राउंड में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक में भाजपा और बिजेड़ी दोनों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब चुनाव आता है तो केंद्रीय नेता को ओडिशा की याद आती है। वे तरह-तरह के वादे करते हैं. बीजेजे नेता भी यही बात कहते हैं। ओडिशा में बीजेपी और बिजेड़ी के बीच अघोषित गठबंधन। इस चुनाव में आप जिसे भी वोट देंगे वो बीजेपी के खाते में जाएगा। मतदाताओं को यह अवश्य जानना चाहिए। उन्होंने कहा, अगर आप राज्य में विकास चाहते हैं तो कांग्रेस को वोट दें। केंद्र की भाजपा सरकार ने कई झूठे वादे किए हैं। इसका परिणाम उन

विभिन्न राज्यों में दिखाई दिया है जहां चुनाव हुए हैं। जिसका असर अब बीजेपी नेताओं के भाषणों में देखने को मिला है। वे कह रहे हैं कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो महिलाओं का कल्याण छीन लेगी। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियां हास्यास्पद हैं ।कांग्रेस के सत्ता में आने पर हर घर की महिलाओं के बैंक खाते में प्रति वर्ष 1 लाख रुपये जायेंगे। इसके अलावा उन्होंने वादा किया कि विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शुरू की जाएंगी। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष संजीव गिरि ने की, जिसमें सांसद प्रत्याशी श्रीकांत जेना, बालासोर सदर विधायिका प्रत्याशी मोनालिसा सामल, रेमुना विधायक प्रत्याशी सुदर्शन जेना, बस्ता विधायक प्रत्याशी बिजन नाइक, नीलगिरि विधायक प्रत्याशी अक्षय आचार्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

एफएसएसएआई की चेतावनी, फलों को पकाने के लिए 'कैल्शियम कार्बाइड' का न हो इस्तेमाल

देश के खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई ने खाद्य व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों को सख्त चेतावनी दी है कि फलों को पकाने के लिए प्रतिबंधित कैल्शियम कार्बाइड का उपयोग न करें। एफएसएसएआई ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा विभागों को सतर्क रहने और इस आदेश का पालन नहीं करने वालों से एफएसएस अधिनियम के प्रविधानों के अनुसार सख्ती से निपटने को कहा है।

नई दिल्ली। देश के खाद्य सुरक्षा नियामक एफएसएसएआई ने खाद्य व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों को सख्त चेतावनी दी है कि फलों को पकाने के लिए प्रतिबंधित 'कैल्शियम कार्बाइड' का उपयोग न करें। एफएसएसएआई ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा विभागों को सतर्क रहने और इस आदेश का पालन नहीं करने वालों से एफएसएस अधिनियम के प्रविधानों के अनुसार सख्ती से निपटने को कहा है।

कैल्शियम कार्बाइड, जो आमतौर पर आम जैसे फलों को पकाने के लिए उपयोग किया जाता है से एसिटिलीन गैस उत्सर्जित होती है जिसमें आर्सेनिक और फास्फोरस के अंश होता है। इससे कैंसर होने का खतरा होता है ।एफएसएसएआई ने यह चेतावनी सुप्रीम कोर्ट द्वारा जवाब मांगे जाने के एक दिन बाद जारी की है। सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए खतरनाक रसायनों के इस्तेमाल को लेकर केंद्र, कृषि मंत्रालय व एफएसएसएआई को नोटिस भी जारी किया है।

याचिका में दावा किया गया है कि खतरनाक रसायनों के इस्तेमाल से देशभर में लोगों की मौतें हो रही हैं। एफएसएसएआई ने कहा कि व्यापारियों/फल संचालकों/फूड बिजनेस आपरेटरों (एफबीओ) को अलर्ट किया गया है कि फलों को कृत्रिम तरीके से पकाने विशेष रूप से आम के मौसम के दौरान खतरनाक 'कैल्शियम कार्बाइड' का इस्तेमाल न करने के निर्देश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

कैल्शियम कार्बाइड से स्वास्थ्य पर पड़ता है गंभीर दुष्प्रभाव

एफएसएसएआई ने कहा, ₹कैल्शियम कार्बाइड' को आम तौर पर 'मसाला' के नाम से भी जाना जाता है। इसके इस्तेमाल से चक्कर आना, बार-बार प्यास लगना, जलन, कमजोरी, निगलने में कठिनाई, उल्टी और त्वचा के अल्सर आदि जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। आशंका रहती है कि कैल्शियम कार्बाइड के इस्तेमाल के दौरान यह फलों पर आर्सेनिक और फास्फोरस के अवशेष उत्सर्जित करे। इन खतरों के कारण, खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) कानून के तहत फलों को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

प्रतिबंधित कैल्शियम कार्बाइड के बड़े पैमाने पर उपयोग के मुद्दे को ध्यान में रखते हुए, एफएसएसएआई ने भारत में फलों को पकाने के लिए सुरक्षित विकल्प के रूप में एथिलीन गैस के उपयोग की अनुमति दी है। फसल, किस्म के आधार पर एथिलीन गैस का उपयोग 100 पीपीएम तक की सांद्रता में किया जा सकता है।

फलों में पाया जाने वाला हार्मोन है एथिलीन

एथिलीन फलों में प्राकृतिक रूप से पाया जाने वाला हार्मोन है, जो रासायनिक और जैव रासायनिक गतिविधियों के जरिये फलों के पकने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। कच्चे फलों पर एथिलीन गैस के उपयोग से प्राकृतिक रूप से पकने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है जब तक कि फल स्वयं पर्याप्त मात्रा में एथिलीन का उत्पादन शुरू नहीं कर देता। इसके अलावा केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड और पंजीकरण समिति ने आम और अन्य फलों को एक समान पकाने के लिए एथेफान 39 प्रतिशत एसएल को मंजूरी दे दी है।

रक्षा मंत्रालय ने चिनूक हेलिकॉप्टर का मॉडल लापता होने की खबरों को भ्रामक बताया

रक्षा मंत्रालय ने चिनूक हेलिकॉप्टर का मॉडल लापता होने की खबरों को भ्रामक करार दिया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ए. भारत भूषण बाबू ने शनिवार को कहा डेफएक्सपो 2020 के दौरान लखनऊ में डीआरडीओ द्वारा स्थापित चिनूक हेलीकॉप्टर मॉडल के लापता होने की प्रसारित खबरें भ्रामक है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने कभी भी लखनऊ में हेलीकॉप्टर का कोई मॉडल स्थापित नहीं किया।

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने चिनूक हेलिकॉप्टर का मॉडल लापता होने की खबरों को भ्रामक करार दिया। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ए. भारत भूषण बाबू ने शनिवार को कहा, डेफएक्सपो 2020 के दौरान लखनऊ में डीआरडीओ द्वारा स्थापित चिनूक हेलीकॉप्टर मॉडल के लापता होने की प्रसारित खबरें भ्रामक है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने कभी भी लखनऊ में हेलीकॉप्टर का कोई मॉडल स्थापित नहीं किया। डेफएक्सपो2020 प्रदर्शनी के दौरान कोई भी माडल गायब नहीं हुआ।

डीआरडीओ ने भी रिपोर्टों को भ्रामक बताया : डीआरडीओ ने भी रिपोर्टों को 'भ्रामक' बताया है। अधिकारियों ने कहा कि लखनऊ में वृंदावन योजना क्षेत्र के सेक्टर 20 में हेलीकॉप्टर का मॉडल खराब हालत में था। इसे हटा दिया गया क्योंकि जी20 से संबंधित एक कार्यक्रम के लिए शहर में प्रधानमंत्री की यात्रा के लिए हेलीपैड का निर्माण किया जाना था।

फसलों में कीटनाशकों के इस्तेमाल से देशभर में हो रही मौतें? सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से याचिका पर मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा जिसमें दावा किया है कि फसलों और खाद्य पदार्थों पर कीटनाशकों और अन्य रसायनों के अत्यधिक उपयोग के कारण देशभर में मौतें हो रही हैं ।वरिष्ठ अधिवक्ता अनीता शिनाय ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने देशभर से आंकड़े एकत्रित किए हैं जिनमें कीटनाशकों की वजह से काफी बड़ी संख्या में मौतें होने का पता चला है।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उस याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा जिसमें दावा किया गया है कि फसलों और खाद्य पदार्थों पर कीटनाशकों और अन्य रसायनों के अत्यधिक उपयोग के कारण देशभर में मौतें हो रही हैं।

केंद्र समेत इनसे मांगा गया जवाब : प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने केंद्र सरकार, कृषि मंत्रालय, भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) व अन्य को नोटिस जारी किए और याचिका पर उनका जवाब मांगा। वरिष्ठ अधिवक्ता अनीता शिनाय ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने देशभर से आंकड़े एकत्रित किए हैं जिनमें कीटनाशकों की वजह से काफी बड़ी संख्या में मौतें होने का पता चलता है।

याचिकाकर्ता का दावा- देशभर में हो रही मौतें : शीर्ष अदालत अधिवक्ता आकाश वशिष्ठ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में कहा गया है, "फसलों एवं खाद्य पदार्थों पर कीटनाशकों और अकार्बनिक रासायनिक पदार्थों का उपयोग और अति प्रयोग देश में कैंसर और अन्य घातक बीमारियों के प्राथमिक और प्रमुख कारण के रूप में उभरा है।

'माकपा वैश्विक स्तर पर आतंकवादी संगठनों को प्रतिबिंबित कर रही', कांग्रेस ने माकपा पर बोला हमला

परिवहन विशेष न्यूज

केरल में सत्ताधारी माकपा के प्रदेश सचिव दो लोगों के लिए निर्मित शहीद स्मारक का 22 मई को उद्घाटन करेंगे। नौ वर्ष पहले कन्नूर जिले में बम बनाते समय दोनों की मौत हो गई थी। इस घटना को लेकर केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख सुधाकरण ने कहा केरल में माकपा वैश्विक स्तर पर आतंकवादी संगठनों और तालिबान के कार्यों को प्रतिबिंबित कर रही है।

कन्नूर। केरल में सत्ताधारी माकपा के प्रदेश सचिव दो लोगों के लिए निर्मित शहीद स्मारक का 22 मई को उद्घाटन करेंगे। नौ वर्ष पहले कन्नूर जिले में बम बनाते समय दोनों की मौत हो गई थी। इस समाचार के सामने आने के बाद कांग्रेस ने शनिवार को सत्ताधारी माकपा पर जमकर हमला बोला। समाचार में कहा गया है कि शैजू और सुबीश के नाम पर बने स्मारक का माकपा के प्रदेश सचिव एमवी गोविंदन 22 मई को उद्घाटन करेंगे। पनूर के पास पूर्वी चेट्टकंडी में काक्रुत पहाड़ी पर बम बनाते समय छह जून, 2015 को दोनों मारे गए थे। आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के लिए स्मारक बनाने के माकपा के निर्णय की आलोचना करते हुए कांग्रेस ने पूछा कि यह कदम केरल के लोगों को किस तरह का संदेश देता है।

केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख सुधाकरण ने कहा, "केरल में माकपा वैश्विक स्तर पर आतंकवादी संगठनों और तालिबान के कार्यों को प्रतिबिंबित कर रही है। माकपा के प्रदेश सचिव द्वारा इस स्मारक का उद्घाटन यह दर्शाता है कि वामपंथी पार्टी आतंकवाद का किस हद तक समर्थन करती है।"

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023